रायपुर। बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 73/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
# विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग ...
@ विचार विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कठघरे में...
@ व्यापार सेंसेक्स 1,109 अंक चढ़ा...

# लोकतंत्र की बहाली हमारा लक्ष्यः राहुल

## पीएम मोदी की वोट चोरी की योजना को उजागर करने के लिए तैयार- खरगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी के आवास पर इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कहा कि विपक्ष का प्रदर्शन सफल रहा है और दिल्ली में पहली बार बड़ी संख्या में लोग जुटे। वही आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा। उन्होनें कहा कि मोदी-शाह के इशारे पर सीईसी ने लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की।

वहीं, राहुल गांधी ने कहा, 'हम यहां एकजुट होकर खड़े हैं। यह अलग-अलग नहीं, एक ही आंदोलन है। यह लोकतंत्र को फिर से बहाल करने वाला आंदोलन है। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा ही हमारा लक्ष्य है। इस देश में लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया को बर्बाद कर दिया गया है।''

**राहुल गांधी ने साधा मोदी-शाह और ज्ञानेश कुमार पर निशाना**

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'जिन लोगों ने ऐसा किया है, जिनमें इसके मुख्य सूत्रधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इसे लागू करने वाले अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और अन्य लोग शामिल हैं, उन्हें समझना चाहिए कि अब उनके चारों ओर घेरा कसता जा रहा है। ऐसा नहीं हो सकता कि आप भारतीय संविधान को नष्ट कर दें और बचकर निकल जाएं'

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, लोकतंत्र में अपनी बात रखने का एकमात्र माध्यम जंतर-मंतर था और अब सरकार ने फैसला किया है कि लोकतांत्रिक भावनाओं को व्यक्त करने के लिए जंतर-मंतर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। हम इस सोच को चुनौती देने जा रहे हैं। सरकार के लिए यह तय करना इतना आसान नहीं होगा कि भारतीय लोग अपनी आवाज के लिए संघर्ष नहीं करेंगे।''

बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने जनता के मुद्दों को पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ उठाया। इतनी बड़ी संख्या में लोग बहुत कम ही जुटते हैं। दिल्ली में यह पहली बार है, जब युवा और आम नागरिक पूरी तरह अपनी पहल पर एकजुट होकर सामने आए हैं। आपने यह सब देखा है, इसलिए मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। अब हर कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वोट चोरी की योजना को पूरी तरह उजागर करने के लिए तैयार है।

तेजस्वी यादव बोले- मोदी-शाह के इशारे पर सीईसी ने लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया है।

हम सभी लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट हैं। इसके लिए जो कुर्बानी देनी होगी हम सभी देंगे। यह गांधी जी, लोहिया जी, भगत सिंह का देश है। ये लोग इस देश की संवैधानिक संस्थाओं को हाईजैक करने का प्रयास कर रहे हैं... ये डरे हुए लोग हैं... हम सभी लोग आगे इस लड़ाई को जारी रखेंगे।

# केंद्र शासित प्रदेश हमारा अभिन्न और अटूट हिस्साः केन्द्र

## लद्दाख पर चीन के दावे को भारत ने किया खारिज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लद्दाख के 28 स्थलों को भारतीय नक्शे में शामिल करने पर चीन की आपत्ति का भारत ने करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने साफ कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है और चीन के इनकार से यह सच्चाई नहीं बदलने वाली।

एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'हम दोहराते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है। चीनी पक्ष के इनकार से यह स्थापित तथ्य नहीं बदल सकता।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति इस मामले में स्पष्ट है। दावा किया कि लद्दाख में स्थित 28 जगहों/विशेषताओं की पहचान भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक नक्शे पर मानक नामों के साथ की गई है, और यह काम केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और स्थानीय हितधारकों के परामर्श से किया गया है।

जायसवाल ने कहा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के लद्दाख नक्शे पर इन स्थानों की औपचारिक रूप से पहचान करने का मकसद यह है कि लोग उन्हें सही ढंग से पहचान सकें और आम जनता में इनके बारे में बेहतर जानकारी उपलब्ध हो।

इससे पहले चीन ने भारत के इस कदम को 'पूरी तरह गैरकानूनी' बताया था और दावा किया था कि लद्दाख के ये 28 स्थल हमेशा से चीन का हिस्सा रहे हैं। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इसे लेकर भारत सरकार ने एक बयान जारी किया था। भारत के रुख पर हुए सवाल के जवाब में माओ निंग ने स्पष्ट किया कि ये इलाके उसके हैं और भारत के नाम बदलने या रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदल जाएगा।

## खबर झरोखा

### केन्द्रीय मंत्री एल मुरुगन का इस्तीफा

**चेन्नई।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें मंत्री पद से मुक्त करने और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि वह 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से संगठनात्मक कार्यों में जुटना चाहते हैं।

### ईरान की मदद पर ट्रंप की चीन-रूस को चेतावनी

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वामपंथी लोगों की टिप्पणियों की आड़ में चीन और रूस को चेतावनी जारी की। वामपंथियों की टिप्पणियों में ईरान की मदद के आरोप में ट्रंप ने चेताया कि अगर चीन और रूस ऐसा कर रहे होते तो हमें पता चल ही जाता, लेकिन वो ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि उनके पास खोने के लिए बहुत कुछ है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट में लिखा, मैं कट्टर वामपंथी लोगों और कुछ अति-उत्साही टिप्पणियों को देखकर हैरान हूं।

# एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हॉकी इंडिया ने किया पुरुष टीम का ऐलान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी। इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है।

गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है।18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।

# यूपीआई पर 0.4% चार्ज दिवाली तक टला

**नई दिल्ली।** यूपीआई पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दिवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करने पर 0.4% चार्ज लगना था।

एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है। अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4% का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा।

अगर ग्राहक रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस या फ्यूल पर ?2,000 से ज्यादा का पेमेंट करता है, तो प्रति ट्रांजैक्शन 5 का फ्लैट चार्ज लगेगा।

उदाहरण से समझें कितना पैसा कटेगा 2,500 के पेमेंट पर: दुकानदार का 10 कटेगा।

5,000 के पेमेंट पर: दुकानदार का 20 कटेगा।

# महिला एवं बाल विकास मंत्री का व्हाट्सप हैक, क्यूआर कोड भेजकर हुई पैसों की मांग

सूरजपुर ■ रविशंकर गुप्ता

छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नाम से साइबर ठगी की कोशिश का मामला सामने आया है। मंत्री का व्हाट्सप अकाउंट हैक होने के बाद उनके संपर्क में मौजूद लोगों को मैसेज भेजकर पैसों की मांग की जा रही है। संदेश में युपीआई ब्लॉक होने का हवाला देकर तत्काल 32 हजार की मदद मांगी जा रही है। साथ ही ऑनलाइन भुगतान के लिए क्यूआर कोड भी भेजा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, फर्जी संदेश में लिखा जा रहा है कि यूपीआई ब्लॉक होने के कारण तत्काल पैसों की जरूरत है। मंत्री के नाम और नंबर से संदेश आने के कारण लोग इसे वास्तविक समझकर भुगतान कर सकते हैं। इसी आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई । मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने आधिकारिक इस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी साझा कर व्हाट्सप अकाउंट हैक होने की जानकारी दी और लोगों को आगाह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके व्हाट्सप से पैसे मांगे जाने पर सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। मामले की शिकायत के बाद साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अकाउंट हैक होने और संपर्कों को भेजे जा रहे संदेशों की पड़ताल कर रही है।

**साइबर ठगी से बचने के लिए सावधानी जरूरी**

किसी परिचित या जनप्रतिनिधि के नंबर से पैसे मांगने वाला संदेश आने पर सीधे फोन करके पुष्टि करें।

# बस्तर दशहरे में ऐतिहासिक 'जोगी बिठाई' की हुई रस्म

## गहरे गड्ढे में 9 दिनों की कठिन तपस्या पर बैठे दौलत

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

विश्व प्रसिद्ध और 75 दिनों तक चलने वाले ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत सोमवार की शाम महत्वपूर्ण 'जोगी बिठाई' की रस्म पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न हो गई। पर्व के निर्विघ्न और शांतिपूर्ण आयोजन की कामना को लेकर ग्राम बड़े आमाबाल के युवक दौलत तीसरी बार 9 दिनों की अत्यंत कठिन तप साधना पर बैठ गए हैं। करीब 600 वर्षों की समृद्ध परंपरा के अनुसार, इस रस्म की शुरुआत सोमवार शाम मावली मंदिर में पुजारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

देवी की पूजा-अर्चना के बाद वहां स्थापित पवित्र तलवार का विधिवत पूजन किया गया। पूजा संपन्न होने के उपरांत जोगी पवित्र तलवार धारण कर मुंडाबाजा और गाजे-बाजे की मंगल धुनों के बीच सिरहसार भवन पहुंचे। वहां प्रार्थना के बाद उन्होंने सिरहसार भवन में बनाए गए लगभग 4 फीट गहरे गड्ढे में पालथी लगाकर आसन ग्रहण किया और आगामी 9 दिनों के लिए कठिन तपस्या व निराहार व्रत का संकल्प लिया। पाठजात्रा, डेरी गड़ाई और काछनगादी जैसी रस्मों के संपन्न होने के बाद आयोजित हुए इस गरिमामय अनुष्ठान में महापौर संजय पाण्डे, दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी, मांझी-चालकी, पुजारी और जोगी परिवार के लोग उपस्थित रहे, जिनकी मौजूदगी में जोगी बस्तर अंचल की सुख-समृद्धि और दशहरे के सकुशल समापन के लिए अखंड साधना में लीन हुए।

## तीर तेवर — सागर कुमार

# ट्रक-कार की आमने-सामने भिड़ंत, छत्तीसगढ़ के 3 लोगों की मौत 2 की हालत गंभीर

संवाददाता ■ राजनांदगांव

झारखंड में हुए सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 3 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर पश्चिमी सिंहभूम जिले में ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

सभी राजनांदगांव जिले के रहने वाले हैं। घायलों को जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल (ञ्चरू॥) में भर्ती कराया गया है। घटना पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र की है।

मृतकों की पहचान अमृत कौर (45), अमनदीप कौर (15) और गुर सिमरन कौर (11) के रूप में हुई है। परिवार के हरमन कौर (6) और प्रदीप सिंह (57) गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में कार सवार 9 महीने का एक बच्चा सुरक्षित बच गया।

**जमशेदपुर जा रहा था परिवार**

जानकारी के अनुसार, 13 अक्टूबर की सुबह परिवार कार से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से जमशेदपुर जा रहा था। इसी दौरान कुदापी डाउन के पास रॉन्ग साइड से आ रही ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह डैमेज हो गया और अमृत कौर, अमनदीप कौर और गुर सिमरन कौर की मौत हो गई।

**हादसे के बाद भागा ट्रक ड्राइवर**

हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हाटगम्हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

**घायलों का इलाज जारी**

पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल रेफर कर दिया। दोनों का इलाज जारी है।

**फरार ट्रक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज**

हाटगम्हरिया थाना पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने केस दर्ज कर फरार ट्रक ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। हादसे में शामिल ट्रक और कार को भी जब्त कर लिया गया है।

# छत्तीसगढ़ को मिला पहला शासकीय होम्योपैथी कालेज

विश्व केसरी■

**रायपुर।** राज्य के युवाओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में एक बड़ी सौग़ात मिली है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से छत्तीसगढ़ को पहले शासकीय होम्योपैथी कालेज की मान्यता मिली है।

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (National Commission for Homoeopathy), नई दिल्ली के अंतर्गत होम्योपैथी चिकित्सा आकलन और रेटिंग बोर्ड (MARBH) द्वारा नवा रायपुर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BHMS) पाठ्यक्रम की 63 सीटों पर प्रवेश हेतु सशर्त अनुमति प्रदान की गई है। आयोग द्वारा दिनांक 12 अक्टूबर 2026 को जारी अनुमति पत्र के अनुसार, नवा रायपुर के सेक्टर-40, उपरवारा, अटल नगर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी में 63 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ नवीन बीएचएमएस पाठ्यक्रम के संचालन को सशर्त स्वीकृति दी गई है। यह अनुमति राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अधिनियम, 2020 की धारा 29 के अंतर्गत प्रदान की गई है।

**छत्तीसगढ़ में आयुष चिकित्सा शिक्षा को मिलेगी नई दिशाः**

**स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल**

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि नवा रायपुर में राज्य के पहले नवीन होम्योपैथी महाविद्यालय को प्रवेश की अनुमति मिलना राज्य में आयुष चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति है।

इससे प्रदेश के विद्यार्थियों को होम्योपैथी चिकित्सा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही निर्धारित मानकों के अनुरूप शैक्षणिक एवं चिकित्सालयीन सुविधाओं के विकास से भविष्य में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि की संभावनाएं मजबूत होंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने तथा चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर विकसित करने की दिशा में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

**प्रदेश के विद्यार्थियों को मिलेंगे चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर**

नवीन होम्योपैथी महाविद्यालय में 63 सीटों पर प्रवेश की अनुमति मिलने से छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश में आयुष चिकित्सा शिक्षा के विस्तार, प्रशिक्षित होम्योपैथिक चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने तथा भविष्य में होम्योपैथी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में सहायता मिलेगी। यह उपलब्धि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के संस्थागत विस्तार तथा वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के लिए शैक्षणिक अधोसंरचना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

**निरीक्षण एवं मूल्यांकन के बाद मिली अनुमति**

राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के चिकित्सा आकलन एवं रेटिंग बोर्ड द्वारा महाविद्यालय की स्थापना एवं शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बीएचएमएस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने संबंधी आवेदन का परीक्षण किया गया।

इस क्रम में आयोग द्वारा 21 एवं 22 जुलाई 2026 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात 7 सितंबर 2026 को सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। निरीक्षण प्रतिवेदन, उपलब्ध संसाधनों, निर्धारित मानकों तथा सुनवाई के दौरान प्रस्तुत अनुपालन विवरण का परीक्षण करने के उपरांत बोर्ड द्वारा 12 अक्टूबर 2026 को सशर्त अनुमति पत्र जारी किया गया।

# सीएम हाउस के बाहर हंगामा, व्यक्ति ने गाड़ियों के शीशे तोड़े

विश्व केसरी■

**रायपुर।** रायपुर में मुख्यमंत्री निवास के बाहर मंगलवार सुबह अचानक हंगामा हो गया। सिविल लाइन इलाके में स्थित ष्टरूहाउस के मुख्य गेट के पास एक व्यक्ति ने जमकर उत्पात मचाया और वाहनों के शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी फैल गई। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस पहुंची और व्यक्ति को हिरासत में ले लिया।

**सुरक्षा कर्मियों से भी हुई झूमाझटकी**

मिली जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति ने CM हाउस के बाहर खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाया। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान झूमाझटकी की स्थिति बन गई। घटना से आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

**गोली चलने की चर्चा, पुलिस ने क्या कहा ?**

हंगामे के दौरान गोली चलने जैसी आवाज सुनाई देने की चर्चा भी सामने आई। हालांकि, सिविल लाइन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवांगन के मुताबिक, मौके पर गोली चलने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि घटना में 112 एंबुलेंस के शीशे टूटने की जानकारी मिली है।

**CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस**

पुलिस ने व्यक्ति को हिरासत में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिल सके।

पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति प्रथम दृष्टया मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है। उसकी मेडिकल जांच कराई जा रही है। हालांकि, उसकी स्वास्थ्य स्थिति की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

# विश्व गठिया दिवस पर जागरूकता व्याख्यान का हुआ आयोजन

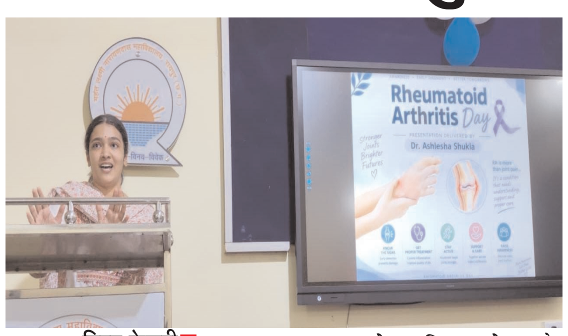


विश्व केसरी■

**रायपुर।** विश्व गठिया दिवस के अवसर पर महन्त कॉलेज के शिक्षण गुणवत्ता विभाग द्वारा आज एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध रुमेटोलॉजिस्ट डॉ. अश्लेषा शुक्ला ने गठिया रोग के कारण, लक्षण और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. अश्लेषा ने बताया कि गठिया केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं है, यह किसी भी उम्र में हो सकती है। समय पर जांच, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और सही जीवनशैली से इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने जोड़ों के दर्द को नजरअंदाज न करने और समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की सलाह दी।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों के प्रश्नों का समाधान भी किया और गठिया से बचाव के लिए सरल व्यायामों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी सहित बड़ी संख्या में प्राद्यापक, छात्र-छात्राएं एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ किरण अग्रवाल ने किया और आभार प्रदर्शन ललितमोहन वर्मा ने किया।

# नैन्सी जैन मेकओवर्स में ब्राइडल मेकअप की बुकिंग शुरू

विश्व केसरी■

**रायपुर।** शादी के सीजन को देखते हुए नैन्सी जैन मेकओवर्स की ओर से ब्राइडल मेकअप के लिए बुकिंग शुरू कर दी गई है। संस्थान द्वारा दुल्हनों को उनके खास दिन पर आकर्षक, खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरपूर लुक देने के लिए विभिन्न प्रकार की मेकअप सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नैन्सी जैन मेकओवर्स में ब्राइडल मेकअप के साथ प्री-ब्राइडल मेकअप, एंगेजमेंट मेकअप, संगीत मेकअप, कॉकटेल मेकअप और पार्टी मेकअप की सुविधाएं भी दी जाती हैं।

प्री-ब्राइडल सेवाओं के अंतर्गत त्वचा की देखभाल और प्राकृतिक निखार पर विशेष ध्यान दिया जाता है, वहीं शादी एवं अन्य समारोहों के लिए आकर्षक और लंबे समय तक टिकने वाला मेकअप लुक तैयार किया जाता है। संस्थान में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, स्वच्छता और सुरक्षित मेकअप प्रक्रियाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जाता है। उद्देश्य प्रत्येक ग्राहक की पसंद और अवसर के अनुरूप बेहतर मेकअप अनुभव प्रदान करना है।

# स्वामी विवेकानंद स्टडी सर्किल का राम प्रेरणा महोत्सव

विश्व केसरी■

**रायपुर।** स्वामी विवेकानंद स्टडी सर्किल छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 'राम प्रेरणा महोत्सव' विमतारा ऑडिटोरियम में अभूतपूर्व माहौल में समाप्त हुआ। कार्यक्रम के तीन चरणों में दीप प्रज्ज्वलन, स्वदेशी मंत्र का उच्चारण, स्टडी सर्किल का परिचय और हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश भर से आए युवा, वरिष्ठ नागरिक और गणमान्य जनों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

# रायपुर में दशहरे पर उमड़ेगा जनसैलाब, 101 फीट के रावण का होगा दहन

विश्व केसरी■

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित दशहरा मैदान में विजयादशमी पर भव्य दशहरा उत्सव आयोजित होगा। इस दौरान 101 फीट ऊंचे रावण का दहन और आकर्षक आतिशबाजी होगी। आयोजन में करीब 5 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है।

कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और महापौर मीनल चौबे सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि आयोजन को भव्य बनाने के साथ नागरिकों की सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पार्किंग, यातायात, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। रावण दहन और आतिशबाजी के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

विधायक ने नागरिकों से परिवार सहित उत्सव में शामिल होने और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विजयादशमी सत्य की असत्य और अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है।

# छत्तीसगढ़ में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, पीवी ऐप के विरोध में उतरे

विश्व केसरी■

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में राजस्व पटवारी 13 अक्टूबर 2026 से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। फसल के भौतिक सत्यापन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पीवी ऐप में तकनीकी समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर पटवारियों ने विरोध शुरू किया है। हड़ताल लंबी चलने पर प्रदेश की तहसीलों में राजस्व संबंधी कामकाज प्रभावित हो सकता है, जिससे किसानों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

राजस्व पटवारी संघ के अनुसार, फसल के भौतिक सत्यापन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पीवी ऐप में लगातार तकनीकी और व्यावहारिक समस्याएं आ रही हैं। पटवारियों का कहना है कि ऐप की खामियां दूर किए बिना उन पर इसके जरिए काम करने का दबाव बनाया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया है।

**निलंबन की कार्रवाई का भी विरोध**

पटवारियों का आरोप है कि पीवी ऐप का इस्तेमाल नहीं करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ शासन-प्रशासन की ओर से निलंबन जैसी कार्रवाई की जा रही है। संघ इस कार्रवाई का विरोध कर रहा है। इसके साथ ही पटवारी वेतन विसंगति दूर करने और पदोन्नति का लाभ देने जैसी पुरानी मांगों को भी पूरा करने की मांग कर रहे हैं।

**तहसीलों में राजस्व के कामकाज पर पड़ सकता है असर**

पटवारियों की हड़ताल से राजस्व विभाग के रोजमर्रा के काम प्रभावित होने की आशंका है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र से संबंधित प्रक्रियाओं में देरी हो सकती है। इसके अलावा भूमि रिकॉर्ड, नामांतरण और अन्य राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, सेवाओं पर वास्तविक प्रभाव स्थानीय प्रशासन की वैकल्पिक व्यवस्था पर निर्भर करेगा।

**फसल सत्यापन और धान खरीदी की तैयारियों पर चिंता**

फसल सत्यापन, गिरदावरी और धान खरीदी के लिए जरूरी किसान पंजीयन जैसे कार्यों में पटवारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में हड़ताल लंबी खिंचने पर इन प्रक्रियाओं में देरी की आशंका है। इसका असर किसानों के जरूरी दस्तावेजों और संबंधित सरकारी प्रक्रियाओं पर पड़ सकता है।

# मां शीतला मंदिर में ज्योति प्रज्वलित

विश्व केसरी■

**छुरा( मानसिंह )।** ग्राम डांगनबाय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्रि के शुभारंभ पर ग्राम के प्रमुख आराध्य देवी मां शीतला मंदिर में ज्योति प्रज्वलित की गई है। वहीं दुर्गा मंच पर जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और माता रानी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो रहा है।

**सुबह-शाम पूजा-अर्चना और आरती से भक्तिमय हुआ वातावरण**

नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम माता रानी की पूजा-अर्चना, मंगलाचरण एवं आरती की जा रही है। ग्रामवासी अपने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति तथा मंगलमय भविष्य की कामना लेकर माता के दरबार में पहुंच रहे हैं।

---

**न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)**

**// ईश्तहार//**

रा0प्र0क0 /
/ अ-6 / वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 13/10/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संदीप वासुदेव भागवत पिता श्री वासुदेव विनायक भागवत निवासी-न्यू शांति नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम-पंडरीतराई, प0ह0नं0 47, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि संधारण खसरा नंबर 574/21, शीट नंबर 22, भू-खण्ड नं. 24/2 का भाग, रकबा 2450 वर्गफुट भूमि आवेदक ने विकेता श्री राजीव अनंत काले पिता अनंत गोविन्द काले विक्रेता द्वारा मुख्त्यार आम श्री साकेत वैध पिता उदय वैध से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11/09/2026 को कय कर स्वामितव एवं आधिपत्य प्राप्त किया गया है।

इस प्रकार उपरोक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विकय विलेख के आधार पर आवेदक राजस्व अभिलेख में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 22/10/2026 को इस न्यायालय में पेश करें । नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

**तहसीलदार**
**रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
**(जोन क्रं - 7)**
**:: मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -**
**Email ID - rmczone7@gmail.com**

पत्र क्रं /....36301/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 13-10-2026

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 36301**

**वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715D000281** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MANJUSHA SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **RAJESH KUMAR SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मुक्तामणी अग्रवाल पित /पति श्री श्रीमती अरविंद कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 7 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
**(जोन क्रं - 7)**
**- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-**
**Email ID - rmczone7@gmail.com**

पत्र क्रं /....36302/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 13-10-2026

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 36302**

**वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR715D00282** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, **RAJESH KUMAR SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **RADHESHYAM JI SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मुक्तामणी अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती अरविंद कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 7 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
**(जोन क्रं - 9)**
**:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -**
**Email ID - rmczone9@gmail.com**

पत्र क्रं /....35988..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 35988**

**वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227C00227** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJESH S/O HANSRAJ, PUSHPA DEVI W/O HANSRAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती राजेश दुगड़ पिता/पति श्री श्रीमती हंसराज दूगड़ ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । शपथ पत्र, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद, पूर्व विक्रय विलेख दस्तावेज़ / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

**श्री राकेश शर्मा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 9 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
**(जोन क्रं - 9)**
**- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-**
**Email ID - rmczone-@gmail.com**

पत्र क्रं /....35989..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 35989**

**वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227W0079B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AJEET KUMAR MANDHAN** पिता/पति श्री श्रीमती **CHATRU RAM MANDHAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती पवन कुमार चांडक पिता/पति श्री श्रीमती देव किशन चांडक ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

**श्री राकेश शर्मा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 9 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
**(जोन क्रं - 9)**
**:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -**
**Email ID - rmczone9@gmail.com**

पत्र क्रं /....35990..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 35990**

**वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227N00410** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHUPENDER KUMAR NAYAK** पिता / पति श्री/श्रीमती **NEHARU LAL NAYAK** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती शीला मिश्रा पिता/पति श्री श्रीमती उसत कुमार मिश्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

**श्री राकेश शर्मा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 9 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
**(जोन क्रं - 9)**
**-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -**
**Email ID - rmczone9@gmail.com**

पत्र क्रं /....35991..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 35991**

**वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR226C0096D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INJNA MORDIA** पिता / पति श्री श्रीमती **JAGAT RAM MORDIA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती जगतराम मोर्डिया पिता/पति श्री श्रीमती परमोमल मोर्डिया ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

**श्री राकेश शर्मा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 9 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

# अकलतरा के तीन प्रमुख चौक-चौराहों पर लगीं हाई मास्ट लाइटें, नवरात्रि पर नगरवासियों को मिली सौगात

विश्व केसरी

**अकलतरा ( नीरज शर्मा )।** नगर के प्रमुख चौक-चौराहों को रोशन करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 11 अक्टूबर को जेएसडब्ल्यू महानदी पावर कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मद से शास्त्री चौक, अंबेडकर चौक एवं महाराणा प्रताप चौक में हाई मास्ट लाइटें स्थापित की गईं। यह कार्य छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष एवं अकलतरा के पूर्व विधायक सौरभ सिंह की अनुशंसा पर संपन्न हुआ।नवरात्रि के पावन अवसर पर मिली इस सौगात से नगरवासियों में हर्ष का माहौल है। हाई मास्ट लाइटें लगने से प्रमुख चौक-चौराहों पर प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी। इससे रात्रि में आवागमन करने वाले नागरिकों, श्रद्धालुओं, व्यापारियों एवं स्थानीय निवासियों को सुविधा मिलेगी। साथ ही सार्वजनिक स्थलों की सुंदरता में भी वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि नगर के शास्त्री चौक, अंबेडकर चौक एवं महाराणा प्रताप चौक में हाई मास्ट लाइट लगने से ये प्रमुख स्थल दूधिया रोशनी से जगमगाएंगे। इससे रात्रि के समय नगरवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और चौक-चौराहों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के पश्चात लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं और विभिन्न जनहितकारी पहलों के माध्यम से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। नगरों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सौरभ सिंह ने नगरवासियों से जागरूक होकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष समीर शुक्ला, भाजपा नगर मंडल महामंत्री सुमित सिंह चंदेल,मुरलीधर मिश्रा, रुक्मणी वैष्णव, सुरेश मिर्चनय, एल्डरमैन प्रशांत सिंह बैस, राजेश्वर पाटले, उमाकांत भारते, नवल सिंह, आशीष प्रसाद, सुनील सिंह, डॉ. विवेक सिंह बैस, संतन सिन्हा, नानक रोहरा, सुशील जैन, रजनीश गुप्ता, रोहित अग्रवाल, संदीप सिंह बैस, अनिरुद्ध सिंह, जितेंद्र सारथी, शेर खान, चंदन शर्मा, पवन शर्मा एवं दीपक नागदेव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित रहे।उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने हाई मास्ट लाइटों की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे नगर की बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि जैसे पर्व के दौरान बेहतर प्रकाश व्यवस्था से श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को विशेष सुविधा मिलेगी।

# किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश साहू का भव्य स्वागत

## काशीगढ़ में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

विश्व केसरी

विश्व केसरी

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )।** सक्ती जिला साहू संघ सक्ती के तत्वावधान में किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश साहू के प्रथम सक्ती जिला आगमन पर काशीगढ़ में भव्य स्वागत एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता, आपसी भाईचारे और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। महेश साहू का कोटेतरा में भी सामाजिक बंधुओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इसके बाद जैजैपुर रेस्ट हाउस से काशीगढ़ तक कार

एवं बाइक रैली निकाली गई, जिसमें सामाजिक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समारोह में जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जिला साहू संघ सक्ती एवं सम्मान समारो के जिलाध्यक्ष प्रकाश साहू, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक चोवाराम साहू, पूर्व मंत्री मेधाराम साहू सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों का सम्मान किया गया तथा शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपत्र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश साहू ने समाज के लोगों को एकजुटता और भाईचारे के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चहिए। समाज के विकास, उत्थान और आपसी सहयोग की भावना को आगे बढ़ाना प्रत्येक सामाजिक सदस्य की जिम्मेदारी है।

# प्रसिद्ध भजन गायक सूरज रंधावा के भजनों पर झूमे लोग

विश्व केसरी

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )।** श्री महाराजा अग्रसेन जयंती महामहोत्सव समिति 2026 के द्वारा स्थानीय शुभम भवन 10 अक्टूबर शनिवार को भजन जीमी कार्यक्रम के तहत एक शाम समाज के नाम आयोजित किया गया। प्रसिद्ध भजन गायक सूरज रंधावा और उनकी

संगीतमय टीम ने ' भजन संध्या में अपनी मधुर आवाज से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। उन्होंने एक के बाद एक भजनों की ऐसी शानदार प्रस्तुति दी कि श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। उनकी सुरीली आवाज में गणेश जी, श्याम बाबा ,दुर्गा माँ और श्री राम जी के भजन हनुमान जी के भजन की शानदार प्रस्तुति दी । भजन संध्या भक्ति के उल्लास और सुरों के संगम की साक्षी बनी। प्रसिद्ध भजन गायक सूरज रंधावा ने अपनी मधुर आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में भजनों के साथ कलाकारों के द्वाराश्री कृष्ण राधा की वेशभूषा में सुंदर नृत्य भी प्रस्तुत किया गया ।

भजनों से गूंजा पंडाल..

सूरज रंधावा ने कार्यक्रम की शुरुआत श्री गणेश वंदना के बाद प्रसिद्ध भजन चौक पुराव आरती उतारो आज मेरे कान्हा घर आए है.... ओम नमः शिवाय ओम नमः हर हर भोले नमः शिवाय, जगन्नाथ चका नैन तू ना संभाले तो हमें कौन संभाले, गोविंदा आला रे,बजरंग बाला फेरू तेरी माल सब की सुनियो रे, हरि बोलो गोपाल बोलो तुम प्रेम हो तुम प्रीत हो, के साथ इन दिनों चल रहे भगवान शंकर जी और माता पार्वती जी का प्रसिद्ध भजन जब जिद पर आ गई पार्वती, ऐसे वर को पाने ... झुपत झुपत आगे दाई तोरे अंगना हो भजनों की शानदार प्रस्तुति दी । संगीतमय भजनों की लगातार प्रस्तुति से, मातृशक्ति युवा और युवा शक्ति भाव-विभोर होकर झूमते हुए भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम में भजन गायिका रक्षा ने भी शानदार भजन गया , लगभग 3 घंटे तक चली इस अविरल भक्ति धारा में श्रोताओं ने एक पल के लिए भी अपनी जगह नहीं छोड़ी।

आयोजकों ने किया सम्मान..

अंत में महाराजा अग्रसेन जयंती समिति 2026 के द्वारा भजन सम्राट सूरज रंधावा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रायोजक मालखरौदा के अग्रवाल परिवार में मुकेश अग्रवाल (देव ज्वेलर्स) अविनाश अग्रवाल (रानू ज्वेलर्स ) बंटी अग्रवाल( मंगल ट्रेडर्स) की सराहनीय भूमिका रही ।

# मैराथन धावक, सुरेश साहु एवं डॉ. ईश्वर लाल साहु हुए सम्मानित

विश्व केसरी

**बलौदाबाजार( ताराचंद कठोत्रे )।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित सरमंग देहरादून मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जिले के धावक सुरेश कुमार साहू एवं सामाजिक क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य पर मानद डॉक्टरेट अवॉर्ड प्राप्त डॉ.ईश्वर लाल साहु को कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शाल व श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने दोनों को बधाई व शुभकामनायें देते हुए जिले का गौरव बताया।

देहरादून में आयोजित सरमंग देहरादून मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जिले के धावक सुरेश कुमार साहू एवं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 से 39 वर्ष पुरुष आयु वर्ग की 42 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने यह दूरी दो घंटे 54 मिनट 23 सेकंड के नेट समय में पूरी कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

सामाजिक सेवा एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. ईश्वर लाल साहू को 'भारत गौरव सम्मान पुरस्कार' एवं मानद डॉक्टरेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान अचीवर अवॉर्ड काउंसिल द्वारा प्रदान किया गया है।

# धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में नवरात्र महोत्सव का भव्य आगाज

विश्व केसरी

**शिवरीनारायण।** धर्म एवं अध्यात्म की नगरी शिवरीनारायण में शारदीय नवरात्र पर्व की धूम शुरू हो गई है। महानदी के पावन तट पर विराजित भगवान श्री नर-नारायण एवं भगवान जगन्नाथ की पवित्र धरा पर मां दुर्गा की आराधना के साथ पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आ रहा है। नगर के मेला ग्राउंड में मां दुर्गा का भव्य एवं मनमोहक दरबार सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष दुर्गा पूजा समिति द्वारा पंडाल को मायापुर मंदिर की तर्ज पर तैयार किया गया है। वहीं, आकर्षक साज-सज्जा और विशेष लाइटिंग शो श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है।

हर वर्ष नई थीम पर सजता है मां का दरबार

दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि विगत चार वर्षों से समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष अलग-अलग थीम पर मां दुर्गा का भव्य दरबार सजाया जा रहा है। पहले वर्ष महिष्मती पैलेस, दूसरे वर्ष प्रेम मंदिर, तीसरे वर्ष अक्षरधाम मंदिर और इस वर्ष मायापुर मंदिर की तर्ज पर आकर्षक पंडाल तैयार किया गया है। पंडाल की भव्यता और सुंदर साज-सज्जा को अंतिम रूप देने के लिए समिति के सदस्यों ने विशेष मेहनत की है। रात्रि में आयोजित होने वाला लाइटिंग शो भी लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा।

**मां के दर्शन निःशुल्क, भोग-भंडारे की भी व्यवस्था**

समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए मां दुर्गा के दर्शन निःशुल्क रखे गए हैं। इसके साथ ही भोग-भंडारे एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई है, ताकि नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचने वाले श्रद्धालु मां के दर्शन कर धार्मिक आयोजन में सहभागी बन सकें।

# कांकेर में त्योहारों को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

विश्व केसरी

**कांकेर ( सीताराम शर्मा )।** आगामी नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा एवं प्रतिमा विसर्जन पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कांकेर जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक आसाराम नेताम, कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक निखिल रखेचा सहित जिला प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सर्व समाज के पदाधिकारी, दुर्गा उत्सव समितियों के प्रतिनिधि तथा

विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

शांति और भाईचारे के साथ मनाएं त्योहार

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक आसाराम नेताम ने कहा कि पखांजूर से लेकर नरहरपुर और चारामा तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सर्व समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और दुर्गा उत्सव समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष बैठक में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि नौ दिनों तक माता रानी की पूजा-अर्चना जिस श्रद्धा, अनुशासन और मर्यादा के साथ की जाती है, उसी भावना के साथ दसवें दिन विसर्जन कार्यक्रम भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होना चाहिए।

उन्होंने युवाओं और युवतियों से अपील की कि विसर्जन जुलूस के दौरान लड़ाई-झगड़े, ईर्ष्या-द्वेष और आपत्तिजनक टिप्पणियों से बचें। सभी लोग आपसी भाईचारे, सद्भाव और अनुशासन का परिचय देते हुए त्योहार मनाएं, ताकि जिले की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा बनी रहे।

# बड़े कटेकोनी में गहराया जल संकट, ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से लगाई गुहार

विश्व केसरी

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )।** के विकासखंड डभरा अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़े कटेकोनी में सिंचाई और घरेलू उपयोग के पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। धान की फसल के ऐन वक्त पर पानी न मिलने से किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इस समस्या से परेशान होकर समस्त ग्रामीणों ने सकती जिला पत्रकार समूह को एक मांग पत्र सौंपकर उनकी आवाज को प्रशासन तक पहुँचाने की अपील की है।

नहर तो है, पर हमारे गाँव तक पानी नहीं ग्रामीणों का कहना है कि घटोई जलाशय, कांसा से निकलने वाली नहर का पानी कांसा तक तो पहुँचता है, लेकिन उनके गाँव बड़े कटेकोनी तक नहीं आ पा रहा है। सही समय पर पानी न मिलने के कारण धान की खेती बुरी तरह प्रभावित हो रही है। यदि इस नहर के पानी को गाँव तक पहुँचाने की व्यवस्था कर दी जाए, तो किसानों को फसलों को बचाने में बड़ी राहत मिलेगी।

समस्या सिर्फ फसलों तक सीमित नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी और अन्य मौसमों में उन्हें घरेलू निस्तारी और मवेशियों को पिलाने के लिए भी पानी की भारी किल्लत झेलनी पड़ती है। अगर नहर का पानी गाँव तक पहुँचता है, तो कृषि के साथ-साथ दैनिक आवश्यकताओं और पशुधन के लिए भी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से जल संसाधन विभाग के आला अधिकारियों से माँग की है कि इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए तुरंत आवश्यक सर्वे और तकनीकी परीक्षण कराया जाए। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि घटोई जलाशय से बड़े कटेकोनी तक नहर का पानी पहुँचाने के लिए उचित और ठोस कदम उठाए जाएँ ताकि ग्रामीणों और किसानों को इस गंभीर संकट से मुक्ति मिल सके।

## वीबी-जी राम जी से अधिकाधिक ग्रामीणों को जोड़ें: कलेक्टर

**बलरामपुर।** कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आहूर्त की गई। बैठक में कलेक्टर ने वीबी-जी राम जी के अंतर्गत अधिक से अधिक ग्रामीणों को जोड़ने व रोजगार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, इसके साथ ही आगामी धान खरीदी की तैयारियों, नवीन धान उपार्जन केंद्रों समय-सीमा पर स्थापित करने तथा विशेष आधार शिविर के सफल आयोजन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

# छूटे हुए किसानों का पीव्ही एप्प मे सत्यापन शीघ्र कराएं -कलेक्टर

विश्व केसरी

**बलौदाबाजार( ताराचंद कठोत्रे )।** कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को.समय सीमा की बैठक मे विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत पीव्ही एप मे सत्यापन के लिये शेष रकबो का शीघ्र सत्यापन पूरा करने तथा इसके लिये आवश्यक समन्वयक हेतु कृषि विभाग के एसएडीओ एवं आरएईओ को निर्देशित किया।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि समर्थन मूल्य मे धान बिक्री के लिये किसान का पी व्ही एप मे सत्यापन जरुरी है। पिछले वर्ष जिन किसानों ने धान विक्रय किया था उनका सत्यापन नहीं छूटना चाहिए तथा जो इस बार पंजीयन कराए हैं उनका भी सत्यापन कराएं. उन्होंने सत्यापन कार्य के लिये किसान मित्रो का भी सहयोग लेने कहा। इसके साथ ही किसी आरएईओ द्वारा लापरवाही बरतने पर कार्यवाही की भीं चेतावनी दी। उन्होंने अगले माह के 15 नवम्बर से प्रस्तावित समर्थन मूल्य मे धान खरीदी तैयारी की समीक्षा करते हुए कहा कि इस बार 15 नये उपार्जन केन्द्र

बने है। सभी उपार्जन केंद्रों मे धान खरीदी से समाबंधित सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर लिया जाए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों मे राशि जारी होने के बाद भी अप्रारम्भ आवासों को जल्द शुरू कराने एवं छत लेवल वाले आवासो को पूर्ण कराने कहा। उन्होंने वीबी -जी राम जी योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों मे अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार दिलाने के भी निर्देश दिये।

कलेक्टर ने सुपोषित बचपन अभियान अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र के गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को सुपोषण लड्डू वितरण,मेडिकल जांच एवं एनआरसी भर्ती की समीक्षा करते हुए बच्चों का पुनः मेडिकल जांच,उपचार व दवाई उपलब्ध कराने कहा।इस दौरान राजस्व प्रकरण, एनएच चौडीकरण, स्वामित्व योजना, ए ऑफिस, समय सीमा के आवेदन, सीएम हेल्पलाइन, सीपी ग्राम्स आदि की समीक्षा की गई। बैठक मे सी ई ओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर ए.आर. टंडन, निशा नेताम मड़ावी,सीमा ठाकुर सहित एसडीएम जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों का सम्मान,समानता का संदेश के साथ हुआ जागरूकता कार्यक्रम

विश्व केसरी

**बलौदाबाजार( ताराचंद कठोत्रे )।** कन्याओं के अधिकारों की रक्षा, उनके सम्मान और समाज में बराबरी का भाव जगाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अवस्थी ने बताया कि, इस मौके पर छात्राओं ने चित्रकला, रंगोली और भाषण प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कन्या भ्रूण हत्या रोकने तथा बेटियों को समान अवसर देने का मजबूत संदेश दिया।

छात्राओं ने सामाजिक मुद्दों पर अपनी सोच और कलात्मक कौशल के जरिए प्रभावी प्रस्तुति दी । प्रतियोगिताओं में शामिल विजेता बालिकाओं- तारिणी साहू,गरिमा ध्रुव,आराध्या, दिशा ,भाग्यश्री, दीपिका को सम्मानित किया गया। उन्हें स्वल्पाहार भी उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर छात्राओं को अच्छी शिक्षा हासिल करने, लक्ष्य तय करने और परिवार व समाज का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से बालिका संरक्षण और लैंगिक समानता का संदेश रचा।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. अशोक वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि मिश्रा, अस्पताल सलाहकार रीना सलूजा, जिला सलाहकार हर्षलता जायसवाल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

## संपादकीय

# नवरात्रि : शक्ति की उपासना और सामूहिक चेतना का पर्व

पार्थसारथि थपलियाल

नवरात्रि भारतीय सनातन संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें शक्ति की उपासना के माध्यम से जीवन, समाज और सृष्टि में निहित ऊर्जा के महत्त्व को समझने का अवसर मिलता है। शक्ति के बिना शिव भी शव के समान माने गए हैं। यह कथन केवल आध्यात्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शक्ति की अनिवार्यता का प्रतीक है। शक्ति सृजन करती है, पालन करती है और आवश्यकता पड़ने पर विनाशकारी प्रवृत्तियों का अंत भी करती है।

दुर्गा सप्तशती के दूसरे और तीसरे अध्याय में वर्णित महिषासुर वध की कथा शक्ति के इसी व्यापक स्वरूप को प्रकट करती है। कथा के अनुसार, महिषासुर ने अपनी आसुरी शक्तियों के बल पर देवताओं को पराजित कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया था। देवता उसके अत्याचारों से त्रस्त थे। अपनी सत्ता, सामर्थ्य और अस्तित्व पर आए संकट से मुक्ति पाने के लिए वे ब्रह्मा के नेतृत्व में भगवान विष्णु के पास पहुँचे और उन्हें अपनी व्यथा सुनाई। महिषासुर के अत्याचारों का वृत्तांत सुनकर भगवान विष्णु तथा भगवान शिव सहित अन्य देवताओं के मुखमंडल पर क्रोध का भाव प्रकट हुआ। उनके शरीरों से महान तेज निकला। अन्य देवताओं के तेज के साथ मिलकर वह एक दिव्य नारी के रूप में परिणत हुआ। यही आदिशक्ति देवी दुर्गा थीं। देवताओं ने अपनी-अपनी शक्तियाँ उन्हें समर्पित कीं और विविध अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए। इस प्रकार देवी दुर्गा केवल एक दिव्य सत्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि समस्त देवशक्तियों के समन्वित सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में प्रकट हुईं।

यहाँ कथा का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश देवताओं की सामूहिक शक्ति में निहित है। देवता अलग-अलग सामर्थ्य रखते थे, किंतु महिषासुर के विरुद्ध उनका व्यक्तिगत पराक्रम पर्याप्त सिद्ध नहीं हुआ। जब उनके तेज का समन्वय हुआ, तब ऐसी शक्ति प्रकट हुई जो आसुरी साम्राज्य को चुनौती दे सकती थी। यह प्रसंग बताता है कि जब अन्याय और अत्याचार अपनी सीमाएँ लाँघने लगें, तब केवल समस्या पर चर्चा करना या अपनी व्यक्तिगत सामर्थ्य पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होता। आवश्यकता होती है सामूहिक संकल्प, परस्पर सहयोग और एक साझा उद्देश्य के लिए अपनी शक्तियों को एकत्र करने की।

दुर्गा सप्तशती के दूसरे अध्याय में देवी द्वारा महिषासुर की सेना के प्रमुख सेनानायकों और असुर योद्धाओं के संहार का वर्णन मिलता है। तीसरे अध्याय में महिषासुर स्वयं युद्धभूमि में उतरता है और विभिन्न रूप धारण करके देवी को पराजित करने का प्रयास करता है। अंततः देवी उसका वध कर देती हैं। यह विजय केवल एक असुर के अंत की कथा नहीं, बल्कि अधर्म, अहंकार, अत्याचार और अनियंत्रित शक्ति के विरुद्ध धर्मसम्मत सामर्थ्य की विजय का प्रतीक है। महिषासुर का बदलते रूपों में संघर्ष करना उन बुराइयों की प्रकृति की ओर भी संकेत करता है, जो परिस्थितियों के अनुसार अपना स्वरूप बदलती रहती हैं। उनसे मुक्ति पाने के लिए केवल बाहरी साहस नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और दृढ़ संकल्प भी आवश्यक हैं।

इस कथा का संदेश आज के सामाजिक जीवन में भी उतना ही प्रासंगिक है। समाज में जब भ्रष्टाचार, अन्याय, हिंसा, शोषण, भेदभाव और नैतिक पतन जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती हैं, तब उनके विरुद्ध केवल किसी एक व्यक्ति का संघर्ष पर्याप्त नहीं होता। परिवार, समाज, संस्थाओं और शासन को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सामूहिक प्रयास करना पड़ता है। जिस प्रकार देवताओं ने अपनी शक्तियाँ देवी को समर्पित कीं, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने ज्ञान, कौशल, समय और सामर्थ्य का उपयोग समाज के हित में करना चाहिए। सामूहिकता का अर्थ अपनी स्वतंत्र पहचान खो देना नहीं, बल्कि अपनी विशिष्टताओं को व्यापक लोकहित के उद्देश्य से जोड़ना है। यही समन्वय किसी समाज को आंतरिक रूप से सशक्त बनाता है।

नवरात्रि में देवी के नौ स्वरूपों की उपासना भी इसी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक देवी के विविध स्वरूप श्रद्धालुओं को धैर्य, तप, आत्मसंयम, साहस, करुणा, विवेक और सिद्धि जैसे गुणों का स्मरण कराते हैं। उपवास, पूजा, जप और साधना का वास्तविक उद्देश्य केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वाह नहीं, बल्कि अपने भीतर की दुर्बलताओं को पहचानना और उन पर विजय प्राप्त करना भी होना चाहिए। यदि देवी की आराधना के बाद भी मनुष्य के व्यवहार में क्रोध, अहंकार, लोभ और अन्याय के प्रति उदासीनता बनी रहती है, तो शक्ति-उपासना का आत्मपरिवर्तनकारी उद्देश्य अधूरा रह जाता है। देवी दुर्गा की आराधना हमें यह भी सिखाती है कि शक्ति और करुणा परस्पर विरोधी नहीं हैं। शक्ति का उद्देश्य निर्बलों को दबाना नहीं, बल्कि उनकी रक्षा करना है। वस्तुतः नवरात्रि का पर्व बाहरी आराधना से आंतरिक जागरण की यात्रा है। महिषासुर वध की कथा हमें बताती है कि बुराइयाँ चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हों, उनके विरुद्ध संगठित और विवेकपूर्ण प्रयास से विजय प्राप्त की जा सकती है।

# विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कठघरे में

ललित गर्ग

दुनिया की महाशक्ति होने का अर्थ यह नहीं कि कोई राष्ट्र अपनी ताकत के मद में चूर होकर पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने लगे। शक्ति का वास्तविक मूल्य उसकी जिम्मेदारी, न्यायप्रियता और विश्वसनीयता से निर्धारित होता है, न कि इस बात से कि वह कितने देशों को धमका सकता है। दुर्भाग्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों में शक्ति के साथ-साथ मनमानी का जो प्रदर्शन दिखाई दे रहा है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है-क्या विश्व व्यवस्था नियमों और सिद्धांतों से चलेगी अथवा शक्तिशाली राष्ट्रों की, मनमानी, सुविधाओं और स्वार्थों से? रूस से डीजल खरीदने के ट्रंप के ताजा फैसले ने इस प्रश्न को और प्रासंगिक बना दिया है। 9 अक्टूबर 2026 को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद घोषणा की कि रूस अमेरिकी और वैश्विक बाजारों के लिए तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख टन और आगे दस लाख टन की आपूर्ति की भी घोषणा की गई। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल के आयात पर प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी। इस घटनाक्रम की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने की है।

विडंबना देखिए कि वही अमेरिका कुछ समय पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशों को कठघरे में खड़ा कर रहा था। भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया था और रूस के ऊर्जा व्यापार से जुड़े देशों पर और कठोर शुल्क लगाने की व्यवस्था भी सामने आई। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सैनसिटोनिंग रसिया एण्ड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावनाओं को कानूनी आधार दिया। अब वही अमेरिका अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों और बढ़ती कीमतों के दबाव में रूसी डीजल के लिए रास्ता खोल रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका को अपनी जनता के हित में ईंधन खरीदना चाहिए या नहीं। प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का अधिकार है। प्रश्न यह है कि जिस निर्णय को भारत जैसे देशों के लिए नैतिक अपराध और रूस की युद्ध मशीनरी को आर्थिक सहायता देने वाला कदम बताया गया, वही निर्णय अमेरिका के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता कैसे बन गया? क्या नैतिकता की परिभाषा राष्ट्र की सीमा बदलते ही बदल जाती है? क्या अंतरराष्ट्रीय नियम केवल कमजोर और कम शक्तिशाली देशों के लिए हैं?

अमेरिका की इस नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वह रूस से होने वाली ऊर्जा खरीद को यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखता रहा है, लेकिन जब अपने देश में डीजल की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा उपभोक्ताओं पर आर्थिक दबाव बढ़ा, तो उसी रूस से आपूर्ति लेने का निर्णय कर लिया। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका में डीजल की कीमत 8 अक्टूबर को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई थी। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ती कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं का अंतर साफ दिखाई देता है। जब भारत अपनी अर्थव्यवस्था, करोड़ों उपभोक्ताओं और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर रूसी तेल खरीदता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। लेकिन जब अमेरिकी मतदाता महंगे ईंधन से परेशान होते हैं, तब वही नैतिकता पीछे छूट जाती है और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो जाता है। यह कैसी नीति है, जिसमें दूसरों के लिए सिद्धांत और अपने लिए सुविधानुसार अपवाद निर्धारित किए जाते हैं? दूसरों को उपदेश देना आसान है, लेकिन अपने आचरण को उन्हीं कसौटियों पर कसना कठिन।

हिंदी की एक लोकोक्ति है-'पर उपदेश कुशल बहुतेरे।' अमेरिका की मौजूदा नीति पर यह कहावत सटीक बैठती है। जो देश पूरी दुनिया को नियमों के पालन की सीख देता है, उसे सबसे पहले अपने व्यवहार में निरंतरता और पारदर्शिता दिखानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोहरे मापदंड केवल विरोधियों को मजबूत नहीं करते, बल्कि मित्र देशों के विश्वास को भी कमजोर कर देते हैं। भारत के संदर्भ में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम पर निर्भर रहकर पूरा करता है। ऐसे में तेल की खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, महंगाई, परिवहन, कृषि, उद्योग और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता है तो उसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर खाद्य पदार्थों और माल ढुलाई तक दिखाई देता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ है कि उसे उपलब्धता, कीमत, आपूर्ति की स्थिरता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले।

किसी महाशक्ति के दबाव में आकर अपने आर्थिक हितों की अनदेखी करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही दूरदर्शितापूर्ण। यह भी समझना जरूरी है कि रूस से तेल खरीदने का समर्थन करने का अर्थ यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन करना नहीं है। इसी प्रकार ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना का अर्थ किसी देश की सैन्य कार्रवाई का बचाव करना भी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इन दोनों प्रश्नों को अलग-अलग समझना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने, संप्रभुता की रक्षा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन आर्थिक प्रतिबंधों की प्रभावशीलता और उनके मानदंडों पर भी निष्पक्ष विचार होना चाहिए। यदि किसी देश की ऊर्जा खरीद को युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा जाता है, तो यही कसौटी सभी देशों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल विरोधी या कमजोर देश पर प्रतिबंध लगाना और अपने संकट के समय उसी स्रोत से आपूर्ति लेना उस नैतिक आधार को कमजोर करता है, जिस पर प्रतिबंधों को उचित ठहराया जाता है।

ट्रंप के फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ाई है। जेलेंस्की ने इस कदम को रूस के लिए लाभकारी बताते हुए चिंता जताई कि इससे पुतिन को युद्ध जारी रखने के लिए आर्थिक संसाधन मिल सकते हैं। अमेरिकी सांसदों में भी इस निर्णय की आलोचना हुई है। ट्रंप का इसके बाद जेलेंस्की को यूक्रेन का नेतृत्व बदलने की सलाह देना मामले को और गंभीर बनाता है। किसी संप्रभु देश का राष्ट्रपति कौन होगा, यह निर्णय उस देश के नागरिकों और उसकी संवैधानिक व्यवस्था का विषय है। यदि अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और स्वतंत्रता का समर्थक बताता है, तो उसे दूसरे देश की राजनीतिक संप्रभुता का सम्मान भी करना चाहिए। शांति की पहल का स्वागत होना चाहिए, लेकिन शांति के नाम पर युद्ध से पीड़ित देश पर ही असंगत दबाव डालना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

वास्तव में इस घटनाक्रम से दुनिया के सामने एक बड़ा सबक उभरता है। महाशक्ति होना और विश्वसनीय शक्ति होना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली ताकत आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक संसाधनों से मिलती है, दूसरी निष्पक्षता, वचनबद्धता और जिम्मेदार आचरण से अर्जित होती है। अमेरिका के पास दुनिया की सबसे प्रभावशाली अर्थव्यवस्थाओं और शक्तिशाली संस्थाओं में से एक होने का गौरव है, लेकिन उसकी नीतियों में बार-बार होने वाले असंगत बदलाव उसके नेतृत्व की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। 'जैसी करनी वैसी भरनी' की कहावत यहां केवल किसी व्यक्ति पर लागू नहीं होती, बल्कि राष्ट्रों की नीतियों पर भी लागू होती है। यदि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए प्रतिबंधों में छूट दे सकता है, तो उसे यह स्वीकार करना चाहिए कि दूसरे देशों को भी अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार है। यदि उसे रूसी डीजल खरीदने की छूट उचित लगती है, तो भारत जैसे देशों की जरूरतों को भी उसी निष्पक्ष दृष्टि से देखने की अपेक्षा स्वाभाविक है। भारत को भी इस घटनाक्रम से सबक लेते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक स्वायत्तता को और मजबूत करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में न अंधविरोध उचित है, न अंधसमर्थन, आवश्यक है कि प्रत्येक निर्णय का मूल्यांकन राष्ट्रीय हित, वैश्विक शांति और समान मानदंडों के आधार पर किया जाए। सच यही है कि ताकत से दुनिया को कुछ समय के लिए झुकाया जा सकता है, लेकिन भरोसा केवल न्यायपूर्ण आचरण से जीता जा सकता है। अमेरिका के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि अपनी विश्वसनीयता को बचाना है। क्योंकि इतिहास में राष्ट्रों की पहचान केवल उनकी ताकत से नहीं, बल्कि इस बात से भी होती है कि उन्होंने अपनी ताकत का इस्तेमाल कितनी ईमानदारी और जिम्मेदारी से किया।

# जंतर-मंतर से दूर होते प्रतिरोध के ठिकाने

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र की जीवंतता केवल इस बात से तय नहीं होती कि संसद के भीतर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कितनी सार्थक बहस होती है, बल्कि इसकी असली कसौटी यह है कि संसद के बाहर सड़कों पर आम नागरिक की आवाज को कितनी गंभीरता और सहजता से सुना जाता है। देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल में स्थित जंतर मंतर पिछले 33 वर्षों से इसी लोकतांत्रिक चेतना, जन आक्रोश और नागरिक उम्मीदों का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। किंतु अब केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए जंतर मंतर को अधिकृत प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर कर दिया है। 28 अप्रैल 2022 के पुराने स्थायी आदेश में संशोधन करते हुए अब राजधानी में धरना और प्रदर्शन के लिए तीन नए स्थान निर्धारित किए गए हैं, जिनमें मध्य दिल्ली का रामलीला मैदान, उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित व्यावसायिक केंद्र मैदान शामिल हैं। प्रशासन के इस एक निर्णय ने तीन दशकों से चली आ रही प्रतिरोध की एक पूरी परंपरा को विराम दे दिया है और साथ ही लोकतांत्रिक अधिकारों तथा प्रशासनिक व्यवस्था के बीच के द्वंद्व पर एक नई बहस छेड़ दी है।

जंतर मंतर का यह परिसर केवल 18वीं सदी के खगोलीय यंत्रों का स्मारक मात्र नहीं था, बल्कि यह आधुनिक भारत के सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों की सबसे बड़ी प्रयोगशाला बन चुका था। वर्ष 1993 से लेकर 2026 तक के अपने 33 वर्षों के सफर में इस छोटे से मार्ग ने अनगिनत ऐतिहासिक बदलावों की नींव रखी। चाहे वर्ष 2011 का भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल आंदोलन हो, वर्ष 2012 में निर्भया कांड के बाद उमड़ा युवाओं का स्वतःस्फूर्त जनसैलाब हो, वर्ष 2015 में पूर्व सैनिकों का वन रैंक वन पेंशन आंदोलन हो या फिर वर्ष 2023 में महिला पहलवानों का लंबा संघर्ष, जंतर मंतर ने हर वर्ग की पीड़ा को राष्ट्रीय पटल पर रखने का मंच प्रदान किया। देश के सुदूर कोनों से आने वाले किसानों, मजदूरों, छात्रों, शिक्षकों और वंचित वर्गों के लिए यह स्थान एक ऐसी उम्मीद की तरह था, जहाँ खड़े होकर वे सीधे सत्ता के शीर्ष से संवाद करने का अहसास पाते थे। संसद भवन से मात्र 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर होने के कारण यहाँ उठने वाली हर आवाज की गूंज नीति निर्माताओं के कानों तक आसानी से पहुँच जाती थी।

इस ऐतिहासिक स्थल से प्रदर्शनों को हटाने के पीछे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के अपने ठोस तर्क हैं। तात्कालिक कारणों पर नजर डालें तो वर्ष 2026 के जून और जुलाई माह में प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर लगभग 36 दिनों तक चला विशाल छात्र आंदोलन इस फैसले का मुख्य आधार बना। उस आंदोलन के दौरान जंतर मंतर की सीमित क्षमता के विपरीत 1 लाख से अधिक प्रदर्शनकारी जुट गए थे। जब इस भारी भीड़ ने संसद भवन की ओर कूच करने का प्रयास किया, तो सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई और पुलिस तथा छात्रों के बीच हुई झड़पों में 118 पुलिसकर्मियों सहित दर्जनों छात्र घायल हुए। इसके अतिरिक्त, हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के मुद्दे पर राजनीतिक दलों और युवा संगठनों द्वारा फिर से जंतर मंतर पर बड़े घेराव की तैयारी की जा रही थी। नए संसद भवन और कर्तव्य पथ के आसपास अति विशिष्ट व्यक्तियों के निरंतर आवागमन और संवेदनशील मंत्रालयों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस का मानना है कि इतनी कम दूरी पर अनियंत्रित भीड़ का जुटना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा जोखिम है।

सुरक्षा के अलावा स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों की दैनिक परेशानियां भी इस बदलाव का एक बड़ा कारण बनी हैं।

## बोध कथा

# चिंता की मार

दो वैज्ञानिक बातचीत कर रहे थे। उनमें एक वृद्ध और एक युवा था। वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, 'चाहे विज्ञान कितनी भी प्रगति क्यों न कर ले, लेकिन वह अभी तक ऐसा कोई उपकरण नहीं ढूंढ पाया, जिससे चिंता पर लगाम कसी जा सके।' युवा वैज्ञानिक मुस्कराते हुए बोला, 'आप भी कैसी बातें करते हैं। अरे चिंता तो मामूली सी बात है। भला उसके लिए उपकरण ढूंढने में समय क्यों नष्ट किया जाए?' वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, 'चिंता बहुत भयानक होती है। यह व्यक्ति का सर्वनाश कर देती है ।' लेकिन युवा वैज्ञानिक उनसे सहमत नहीं हुआ।

वृद्ध वैज्ञानिक उसे अपने साथ घने जंगलों की ओर ले गए। एक विशालकाय वृक्ष के आगे वे खड़े हो गए। युवा वैज्ञानिक बोला, 'आप मुझे यहां क्यों लाए हैं?' वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, 'जानते हो, इस वृक्ष की उम्र चार सौ वर्ष बताई गई है।' युवा वैज्ञानिक बोला, 'अवश्य होगी।' वृद्ध वैज्ञानिक ने समझाते हुए कहा, 'इस वृक्ष पर चौदह बार बिजलियां गिरी। चार सौ वर्षों से अनेक तूफानों का इसने सामना किया।' अब युवा वैज्ञानिक ने झुंझला कर कहा, 'आप साबित क्या करना चाहते हैं?'

वृद्ध वैज्ञनिक बोले, 'धैर्य रखो। यहां आओ और देखो कि इसकी जड़ में दीमक लग गया है। दीमक ने इसकी छाल को कुतर-कुतर कर तबाह कर दिया है।'

युवा वैज्ञानिक ने पूछा, 'अब निष्कर्ष तो बताइए।' वृद्ध वैज्ञानिक बोले, 'जिस तरह यह विशाल वृक्ष बिजली से नष्ट नहीं हुआ, तूफान से धराशायी नहीं हुआ लेकिन मामूली दीमक उसे चट कर गया, उसी तरह चिंता का दीमक भी एक सुखी-समृद्ध और ताकतवर व्यक्ति को चट कर जाता है।' युवा वैज्ञानिक उनसे सहमत हो गया।

## कविता

# शक्ति-पर्वः नवदुर्गा वंदन

चन्द्रकला पाडिया

आगमन हुआ जगदंबा
का,
सज उठा भक्ति का
संसार,माँ के शुभ चरणों
से
महके,
धरती-अंबर, सकल
संसार।
प्रथम शैलपुत्री मंगलकारी,
ब्रह्मचारिणी तप की ज्योति,
चंद्रघंटा का दिव्य नाद,
हर ले मन का दुख-विषाद।

कूष्मांडा सृष्टि की जननी,
स्कंदमाता ममता की धार,
माँ कात्यायनी शक्ति-स्वरूपा,
करतीं भक्तों का उद्धार।

कालरात्रि हर ले अंधियारा,
महागौरी फैलाए उजियारा,
सिद्धिदात्री दें सब सिद्धियाँ,
नौ रूपों की महिमा अपार।

नौ रूपों में शक्ति समाई,
नौ रूपों में दिव्य प्रकाश,
माँ की कृपा जहाँ बरसती,
मिट जाता मन का संताप।
मन के तम को दूर भगाएँ,
सत्य-धर्म की राह अपनाएँ,
दया, प्रेम, करुणा के दीपक,
अपने अंतर्मन में जलाएँ।
माँ अम्बे का आशीष मिले,
हर घर में सुख-शांति निवास,
आरोग्य, समृद्धि, मंगल बरसे,
पूरी हो हर मन की आस।

## व्यंग्य केसरी

# खेमेबाजी का नया मोर्चा...

रविंद्र गिन्नोरे

साहित्य में एक विधा का बड़ा बोलबाला हो चला और वह है, 'दलित लेखन। दलितों के उत्थान के लिए दलित लेखन' की शुरुआत हुई या साहित्यिक खेमेबाजी के लिए हुई.. यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। राजनीति में दलितों का नाम लेकर सत्ता की बागडोर सम्हालने का आसानी से मौका मिलता है तो साहित्य में साहित्यकारों को क्या कितना मिला है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता है।

दलित लेखन की शुरुआत कैसे हुई। दलित लेखन का अगुवा कौन है। शोध प्रबंध के लिए एक विचारणीय विषय हो सकता है। लेकिन दलित लेखन 'ही क्यों.. और किसलिए शुरू किया गया। क्या साहित्य के लिए यह जरूरी है या नहीं ..। यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता।

दलित लेखन से किसको लाभ मिला । वैसे दलितों की दशा सुधारने के लिए सरकार ने कानून बनाया है इस कानून की आड़ में लाभ लेने वाले बहुत ले रहे हैं। दलित लेखन करने वाले खुद अपनी प्रसिद्धी प्राप्ति का लाभ लेते हैं या फिर दलितों को इस से लाभ मिलता है। क्या दलित लेखन से दलितों की दशा में सुधार हुआ या नहीं...। यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

आज जिस तरह से समाज जोड़ने की बात चल रही है और जातियों को खत्म करने का मुद्दा उभरता जा रहा है। इसे देखते हुए दलित लेखन कितना प्रासंगिक है। क्या दलित लेखन समाज को जोड़ने में सार्थक हुआ कि दलितों की पहचान बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है। क्या दलित लेखन से समाज को दिशा मिल रही है या दिग भ्रमित कर रहा है...। यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता।

क्या दलित लेखन की भाषा इतनी कठिन है कि दलित स्वयं उसे नहीं समझ पाते पर बड़े-बड़े वाले उस पर पीएचडी कर लेते हैं? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। क्या दलित लेखक अपनी पीड़ा बेचकर प्रसिद्धी पाता हैं, या पीड़ा ही उनकी एकमात्र पूंजी है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

क्या दलित लेखन से जाति मिट रही है या सिर्फ साहित्य के पन्नों में और गहरी हो रही है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। क्या दलित लेखन अब एक 'कोटा सिस्टम' बन गया है साहित्य में, जहाँ जाति का टिकट लगाने से छपना आसान हो जाता है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

क्या दलित लेखन की सफलता का पैमाना यह है कि कितने गैर-दलित उसे पढ़कर रोते हैं, न कि कितने दलित उसे पढ़कर खड़े होते हैं? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

क्या दलित लेखन अब एक 'थ्रिलर' बन गया है—जहाँ गैर-दलित पाठक दलितों की पीड़ा का मजा लेते हैं, जैसे किसी रियलिटी शो का एपिसोड? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

और अंत में, क्या दलित लेखन समाज को जोड़ रहा है या सिर्फ साहित्य के खेमेबाजी के नए मोर्चे खोल रहा है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

## इतिहास

14 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और ऐतिहासिक बदलावों के लिए जाना जाता है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1882: शिमला में पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जो कलकत्ता, बंबई और मद्रास के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित भारत का चौथा विश्वविद्यालय था।

933: जर्मनी ने लीग ऑफ नेशंस (राष्ट्रसंघ) से बाहर निकलने की घोषणा की।

1947: अमेरिका के कैप्टन चक येगर (Chuck Yeager) ने पहली बार ध्वनि की गति (Sound Barrier) से तेज विमान उड़ाकर इतिहास रचा।

1953: भारत सरकार ने आर्थिक असमानता को कम करने के लिए संपदा शुल्क अधिनियम (Estate Duty Act) लागू किया।

# नो-एंट्री में चलने वाले 15 वाहन चालकों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 39,200 का चालान किया गया

## यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन के नेतृत्व में रामानुजगंज में विशेष वाहन चेकिंग अभियान

विश्व केसरी

**बलरामपुर ( आफताब आलम )।** सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन के नेतृत्व में रामानुजगंज में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नो-एंट्री नियम का उल्लंघन करने वाले 15 वाहन चालकों सहित कुल 21 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 39,200 रुपये का शमन शुल्क लगाया गया।

यातायात पुलिस की इस कार्रवाई से प्रतिबंधित मार्गों पर नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को जिम्मेदार बनाकर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करना और आम नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है।

**विमलेश देवांगन के नेतृत्व में नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई**

यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान विशेष रूप से नो-एंट्री में प्रवेश करने वाले वाहनों पर नजर रखी गई। प्रतिबंधित मार्गों पर निर्धारित समय के दौरान वाहन प्रवेश करने से यातायात बाधित होने और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की।

अभियान में नो-एंट्री उल्लंघन के 15 प्रकरण सामने आए, जबकि अन्य यातायात उल्लंघनों को मिलाकर कुल 21 प्रकरणों में चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 39,200 रुपये का शमन शुल्क लगाया गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को निर्धारित मार्गों का उपयोग करने, यातायात संकेतों का पालन करने और सड़क पर दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने की समझाइश भी दी।

**चालान के साथ जागरूकता पर भी जोर**

यातायात पुलिस का मानना है कि सड़क सुरक्षा के लिए सख्ती के साथ जनजागरूकता भी जरूरी है। वाहन चालकों की छोटी-सी लापरवाही कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। ऐसे में यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे नो-एंट्री वाले मार्गों पर निर्धारित समय एवं प्रतिबंधों का पालन करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और नशे की हालत में वाहन चलाने से पूरी तरह बचें।

**सुरक्षित यातायात के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील**

यातायात विभाग रामानुजगंज ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का सम्मान करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। नियमों का पालन केवल चालान से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं, अपने परिवार और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा का महत्वपूर्ण उपाय है।

यातायात पुलिस का संदेश है— 'यातायात नियमों का करें सम्मान, सुरक्षित रहें और सुरक्षित रखें अपनी जान।' पुलिस ने नागरिकों से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सहयोग करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

# मारवाड़ी अग्रवाल समाज ने मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती, निकाली शोभायात्रा

विश्व केसरी

**शिवरीनारायण ( नीरज शर्मा )।** नगर में अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं एवं युवतियां उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

शोभायात्रा का शुभारंभ नगर के प्राचीन अंजनी पुत्र मारवाड़ी हनुमान मंदिर से हुआ। सुसज्जित रथ में महाराजा अग्रसेन की छायाचित्र को विराजित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात भक्ति भाव एवं उत्साह के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए होटल राघव इन पहुंची। यहां आमंत्रित अतिथियों का आगमन हुआ, जिनका समाज के लोगों ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

ज्ञात हो कि शिवरीनारायण नगर में अग्रवाल समाज द्वारा प्रतिवर्ष महाराजा अग्रसेन जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। इस आयोजन के माध्यम से समाज के लोग एकजुट होकर महाराजा अग्रसेन के आदर्शों, सामाजिक समरसता, एकता एवं सेवा भावना का स्मरण करते हैं।

पूरे आयोजन के दौरान समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्ति, उल्लास और सामाजिक एकता के वातावरण में संपन्न इस आयोजन ने समाज की एकजुटता एवं परंपराओं के प्रति समर्पण को प्रदर्शित किया।

# ब्लैकबोर्ड पर 'मैंगिफेरा इंडिका' लिख कलेक्टर ने परखी बच्चों की प्रतिभा

विश्व केसरी

**बलरामपुर ( आफताब आलम )।** विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता परखने और स्कूलों में बेहतर पढ़ाई का माहौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। वे केवल निरीक्षण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया, ब्लैकबोर्ड पर सवाल लिखकर उनकी विषयगत समझ परखी और ग्लोब के माध्यम से भूगोल की व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत, नियमित अभ्यास और अनुशासन के बल पर वे टॉपर बन सकते हैं तथा भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर और आईएएस अधिकारी बनकर अपने परिवार, गांव और जिले का नाम रोशन कर सकते हैं।

ब्लैकबोर्ड पर लिखा 'मैंगिफेरा इंडिका', बच्चों ने दिया सही जवाब

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी कक्षा 11वीं जीवविज्ञान में पहुंचीं। यहां उन्होंने हाथ में चॉक लेकर ब्लैकबोर्ड पर 'मैंगिफेरा इंडिका' लिखा और विद्यार्थियों से पूछा कि यह किस फल का वानस्पतिक नाम है। विद्यार्थियों ने तत्परता से जवाब देते हुए बताया कि यह फलों के राजा आम का वानस्पतिक नाम है। बच्चों के सही उत्तर पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की और उनकी तैयारी की सराहना की।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल पाठ याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषयों को समझना, नियमित अभ्यास करना और सीखी हुई बातों का समय-समय पर दोहराव करना भी जरूरी है। उनकी इस संवादात्मक शिक्षण शैली से विद्यार्थियों को अपनी जानकारी परखने और आत्मविश्वास के साथ उत्तर देने का अवसर मिला।

**ग्लोब से समझाया देशों का भूगोल, पढ़ाई को बनाया रोचक**

कक्षा 11वीं कला के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्लोब मंगवाकर विद्यार्थियों को विभिन्न देशों की भौगोलिक स्थिति का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया। उन्होंने ग्लोब के माध्यम से भूगोल को समझने की प्रक्रिया को रोचक बनाया, जिससे विद्यार्थी विषय को केवल किताबों तक सीमित रखने के बजाय वास्तविक रूप में समझ सकें।

कलेक्टर ने कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं वाणिज्य सहित 11वीं कला तथा 11वीं जीवविज्ञान के विद्यार्थियों से भी पाठ्यक्रम के संबंध में चर्चा की।

# सिवनी के पांच वूशु खिलाड़ियों का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन

विश्व केसरी

**जांजगीर-चांपा ( नीरज शर्मा )।** जांजगीर-चांपा जिले के सिवनी गांव के लिए गर्व की बात है कि यहां संचालित सिवनी वूशु मार्शल आर्ट्स क्लास के पांच खिलाड़ियों का चयन 25 वीं जूनियर राष्ट्रीय वूशु चैंपियनशिप के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में चार बालिकाएं और एक बालक शामिल हैं। ये खिलाड़ी 28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रीय वूशु प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में भूमि देवांगन, भूमिका देवांगन, दीप्ति महंत, गुंजन श्रीवास और एरिक फॉक के नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के चयन से

सिवनी गांव सहित पूरे जांजगीर-चांपा जिले में खुशी का माहौल है।

**प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में हासिल की उपलब्धि**

खिलाड़ियों की इस सफलता में वूशु प्रशिक्षक गुलाब चंद यादव, प्रीतम दास महंत और ममता देवांगन का महत्वपूर्ण योगदान है। इनके मार्गदर्शन में खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं।

गुलाब चंद यादव राष्ट्रीय वूशु पदक विजेता खिलाड़ी होने के साथ जिला जांजगीर-चांपा वूशु संघ के सचिव एवं कोच हैं। वहीं, प्रीतम दास महंत राष्ट्रीय वूशु पदक विजेता खिलाड़ी एवं जिला वूशु संघ के कोच हैं। ममता देवांगन भी वूशु प्रशिक्षक के रूप में खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं।

प्रशिक्षकों का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाए।

राष्ट्रीय स्तर पर दमखम दिखाएंगी सिवनी की बेटियां

सिवनी की चार बालिकाओं का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन क्षेत्र के लिए विशेष उपलब्धि है।

# अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर छात्राओं के साथ विशेष संवाद और मार्गदर्शन सत्र

विश्व केसरी

**बिलासपुर ( शैलेन्द्र केशरवानी )।** अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पोस्ट मैट्रिक शासकीय कन्या छात्रावास, बिलासपुर में यूनिसेफ समर्थित एडोलसेंट एंपावरमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम 12 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 65 छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसका उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, जीवन कौशल, लैंगिक समानता, बाल अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में समग्र शिक्षा विभाग, बिलासपुर की गेस्ट स्पीकर सुनीता पाण्डेय ने छात्राओं को जीवन कौशल, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, निर्णय लेने की

क्षमता और लक्ष्य निर्धारण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने, चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक एवं गतिविधि आधारित सत्र आयोजित किए गए, जिनमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए। बालिकाओं को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण, साइबर सुरक्षा और लैंगिक समानता के विषय में जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें अपनी बात आत्मविश्वास के साथ रखने, अपने अधिकारों को समझने और भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

# जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

विश्व केसरी

**बिलासपुर ( शैलेन्द्र केशरवानी )।** जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत सम्बन्धी आवेदन दिया। जिस पर उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे एवं अपर कलेक्टर वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने भी लोगों की समस्याएं सुनी।

जनदर्शन में आज कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत आमामुड़ा के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला के दो शिक्षक नियमित रूप से स्कूल आने के बावजूद अध्यापन कार्य कराने में प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। जिसमें एक शिक्षक द्वारा शराब पीकर आने तथा बच्चों को पढ़ाई नहीं कराने की शिकायत करते हुए मामले की जांच कर संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। शहरी क्षेत्रों के चार सेजेस स्कूलों में कार्यरत नर्सरी शिक्षिकाओं एवं आया ने पिछले तीन माह से लंबित मानदेय दिलाने का आग्रह करते हुए बताए कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। तखतपुर तहसील के ग्राम पंचायत अरईबंद क्षेत्र के ग्रामीणों ने शासकीय भूमि को आबादी भूमि घोषित करने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि वे लगभग 21 वर्षों से मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास रहने के लिए अन्य भूमि नहीं है। ग्राम पंचायत मेड़पार बाजार की निवासी प्रमिला घृतलहरे ने कृषि सखी के पद पर दोबारा नियुक्त करने की मांग की है।

# 'प्रेरणा' लायंस क्लब बिलासपुर ने लगाया वृहद स्वास्थ्य शिविर

विश्व केसरी

**बिलासपुर ( ब्यूरो )। सुरेश सिंह बैस )।** लायंस क्लब इंटरनेशनल 3233ए के अंतर्गत 'प्रेरणा' लायंस क्लब बिलासपुर द्वारा अक्टूबर माह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विविध जनसेवी एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों और बच्चों को चॉकलेट एवं टॉफियां वितरित कर खुशियां भी बांटी गईं। समारोह के दौरान नशामुक्ति, स्वच्छता तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया गया। उपस्थित नागरिकों को नशे से दूर रहने, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और यातायात नियमों का पालन करने के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति सजग एवं सतर्क रहने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ स्वस्थ, स्वच्छ और सुरक्षित समाज के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।

# सटीक आंकड़ों से बनेगी विकास की मजबूत नींव

## कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की मौजूदगी में प्रशिक्षण के पहले सत्र का समापन

विश्व केसरी

**बलरामपुर ( आफताब आलम )।** जनगणना-2027 को व्यवस्थित, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बलरामपुर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनवरी-फरवरी 2027 में प्रस्तावित जनसंख्या गणना के मैदानी कार्यों को बेहतर बनाने के लिए, जिला पंचायत सभाकक्ष में 12 से 15 अक्टूबर तक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में प्रशिक्षण का पहला सत्र संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनसंख्या गणना से संबंधित मानकों, दिशा-निर्देशों, प्रक्रियाओं और आंकड़ों के सटीक संकलन की जानकारी दी जा रही है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स तथा राज्य स्तर के नोडल अधिकारी शिवम दास एवं मोहित तिवारी द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें जिला स्तरीय जनगणना अधिकारियों, अनुविभागीय जनगणना अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, जनगणना लिपिकों और तकनीकी सहायकों को जनगणना कार्य की जिम्मेदारियों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं से अवगत कराया जा रहा है।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने सटीक आंकड़ों को बताया महत्वपूर्ण

प्रशिक्षण सत्र के दौरान कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जनसंख्या गणना से जुड़े मानकों, दिशा-निर्देशों, संकल्पनाओं और डेटा संकलन की शुद्धता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े राष्ट्रीय नीति निर्माण और विकास योजनाओं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए आंकड़ों का सही संकलन, निर्धारित समय-सारणी का पालन और कार्यों का व्यवस्थित क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों-कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया की स्पष्ट समझ विकसित करने और मैदानी स्तर पर कार्य करते समय निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

# बिलासपुर स्टेशन पर सुविधाओं और ट्रेनों की लेटलतीफी पर उठे सवाल

विश्व केसरी

**बिलासपुर ( ब्यूरो )। सुरेश सिंह बैस )।** त्योहारों का मौसम आते ही रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। नवरात्रि, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए रेलगाड़ियों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे समय में रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि यात्रियों को पर्याप्त जगह, सुरक्षित यात्रा, स्वच्छ वातावरण और निर्धारित समय पर ट्रेनें उपलब्ध कराई जाएं। लेकिन बिलासपुर रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों की कुछ समस्याएं ऐसे सवाल खड़े कर रही हैं, जिन पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। बिलासपुर जोन रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण रेल जंक्शन है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री विभिन्न दिशाओं में यात्रा करते हैं। ऐसे में जनरल डिब्बों में अत्यधिक भीड़, ट्रेनों के विलंब से संचालन और स्टेशन परिसर में स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़ी

शिकायतों को केवल सामान्य असुविधा मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नागपुर इंटरसिटी में जनरल बोगियों की संख्या बढ़ाना जरूरी बिलासपुर से नागपुर की ओर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी से यात्रा करने वाले यात्रियों को त्योहारों के आसपास भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

# एलटीसीजी पर चर्चाओं से भारतीय शेयर बाजार में आई तेजी; सेंसेक्स 1,109 अंक चढ़ा

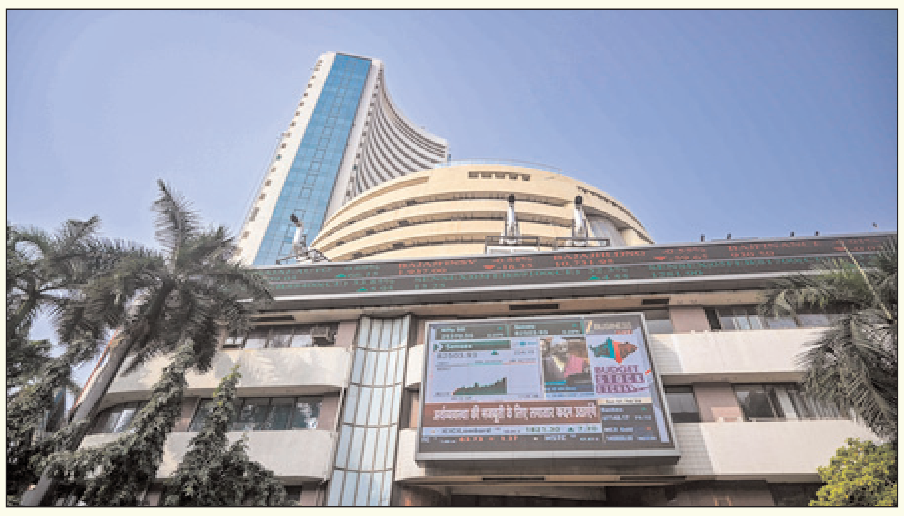

विश्व केसरी■

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को तूफानी तेजी देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स 1,109.10 अंक या 1.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,033.78 और निफ्टी 358.60 अंक या 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,721.95 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 5.22 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। केवल निफ्टी फार्मा ही सपाट बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में मजबूत खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 624.65 अंक या 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,459.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21.60 अंक या 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,447.40 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, बीईएल, एमएंडएम, भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और अदाणी पोर्ट्स गेनर्स थे। केवल कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी और इटरनल लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि बाजार में तेजी की वजह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का वह बयान है, जिसमें उन्होंने कहा, 'सरकार बजट से जुड़ी बातचीत के दौरान लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स को हटाने पर लोगों की राय जानना चाहती है।' इसकी वजह भारत में निवेशकों की ओर से इक्विटी पर लगने वाले टैक्स को लेकर लगातार सवाल उठाना है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी कंपनियों की उम्मीद से बेहतर कमाई ने कॉर्पोरेट मुनाफे में बढ़ोतरी को लेकर भरोसा बढ़ाया, जिससे लार्ज-कैप शेयरों में तेजी आई। रुपए में स्थिरता और बॉन्ड यील्ड में कमी ने भी बाजार के मूड को बेहतर बनाया, जिससे फाइनेंशियल शेयरों पर फोकस बढ़ा।

# जीपीएस लगाने के मामले में कोयंबटूर तमिलनाडु में अग्रणी

विश्व केसरी■

**कोयंबटूर।** कोयंबटूर तमिलनाडु में खनिज परिवहन ट्रकों में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) उपकरण लगाने वाला अग्रणी जिला बनकर उभरा है। यहां राज्य सरकार द्वारा अनिवार्य स्थापना के लिए निर्धारित 31 अक्टूबर की समय सीमा से पहले ही अब तक 4,200 वाहनों को इन उपकरणों से लैस किया जा चुका है।

कोयंबटूर जिले में लगभग 7,000 ट्रक खनिज पदार्थों के परिवहन में लगे हुए हैं। इनमें से 60 प्रतिशत वाहनों में उपकरण लगाए जा चुके हैं और अधिकारी शेष ट्रकों को भी समय सीमा से पहले नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर रहे हैं। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कोयंबटूर की सीमा केरल से लगती है और यह पड़ोसी राज्य में खनिज संसाधनों के परिवहन का मार्ग है। कोयंबटूर-केरल सीमा पर 13 चेक पोस्ट हैं, जहां अधिकारी खनिजों की अवैध आवाजाही को रोकने के लिए काम कर रहे हैं।

खनिज संसाधन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस संयुक्त रूप से अनधिकृत परिवहन के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई कर रहे हैं। जीपीएस लगाना अनिवार्य करना राज्य सरकार के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य खनिज संसाधनों का परिवहन करने वाले वाहनों की निगरानी को मजबूत करना है।

सरकार के निर्देशानुसार, तमिलनाडु में खनिज परिवहन करने वाले ट्रकों में 31 अक्टूबर तक जीपीएस उपकरण लगाना अनिवार्य है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर इस आवश्यकता को पूरा न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कोयंबटूर की प्रगति ने इसे ट्रैकिंग उपकरणों से लैस खनिज परिवहन वाहनों की संख्या में अन्य जिलों से आगे कर दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कुछ जिलों में खनिज परिवहन में लगे हुए 12,000 तक ट्रक हैं, लेकिन उनमें से केवल लगभग 2,000 में ही जीपीएस उपकरण स्थापित किए गए हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि बजरी, लाल मिट्टी और अन्य खनिजों को ले जाने वाले ट्रक मालिकों के साथ स्थापना में तेजी लाने और सरकार के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए चर्चा की गई थी।

# भारत को बढ़ती ऊर्जा मांग के चलते तेजी से बढ़ानी होगी कोयला आधारित क्षमताः सीईए चेयरमैन

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि भारत को अपनी तेजी से बढ़ती ऊर्जा मांग को बनाए रखने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी के विस्तार के साथ पहले लगाए गए अनुमान से अधिक कोयला आधारित ऊर्जा क्षमता को तैयार करना होगा।

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में सीईए प्रमुख ने कहा कि मांग के रुझानों की वजह से नीति निर्माताओं को आने वाले दशक में भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कोयले से बिजली बनाने की क्षमता बढ़ाने के पैमाने पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। इसके अलावा, सरकार ने पिछले साल अनुमान लगाया था कि 2035 तक देश की कोयले से चलने वाली बिजली उत्पादन क्षमता में 97 गीगावाट की बढ़ोतरी होगी, जिससे कुल स्थापित कोयला आधारित ऊर्जा क्षमता लगभग 307 गीगावाट हो जाएगी। हालांकि, बिजली की खपत में उम्मीद से ज्यादा तेजी से हो रही बढ़ोतरी भविष्य की जरूरतों को काफी बढ़ा सकती है।

प्रसाद ने कहा, 'मांग बढ़ रही है और जैसे-जैसे मांग बढ़ती है, हमें उस मांग को पूरा करने के लिए आपूर्ति के स्थिर स्रोतों की जरूरत है।'

प्रसाद के अनुसार, कोयले से चलने वाली अतिरिक्त क्षमता की जरूरतें पहले के अनुमानों से ज्यादा हो सकती हैं और मौजूदा विस्तार योजनाओं के अलावा 105 गीगावाट से 150 गीगावाट तक पहुंच सकती हैं।

उनका यह बयान उस चुनौती को दिखाता है जिसका सामना भारत कर रहा है, क्योंकि देश तेजी से बढ़ती बिजली की खपत और साफ ऊर्जा की ओर बढ़ने के अपने लंबे समय के लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। प्रसाद ने कहा कि इस साल बिजली की मांग में काफी तेजी आई है और रोजाना की पीक डिमांड पिछले साल के मुकाबले 45 गीगावाट से 50 गीगावाट ज्यादा रही है।

इसके अलावा, मानसून के मौसम में कम बारिश की वजह से पनबिजली उत्पादन भी कम हुआ है, जिससे सप्लाई की कमी को पूरा करने के लिए थर्मल पावर प्लांट पर निर्भरता बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में बिजली की कमी बढ़कर 560 मिलियन किलोवाट-घंटे हो गई, जो अगस्त 2023 के बाद सबसे ज्यादा स्तर था और यह तब हुआ जब कोयले से चलने वाले पावर प्लांट से बिजली का उत्पादन ज्यादा था।

# भारत के फ्लेक्सिबल ऑफिस बाजार का आकार 2030 में 160 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** भारत ने दुनिया के सबसे परिपक्व फ्लेक्सिबल ऑफिस बाजार के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है और 2026 में इसका आकार 100 मिलियन वर्ग फुट (एमएसएफ) का आंकड़ा पार करने और 2030 तक बढ़कर लगभग 160 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में देश में फ्लेक्सिबल ऑफिस स्पेस का कुल स्टॉक बढ़कर 88.7 मिलियन वर्ग फुट हो गया, जो देश के कुल ऑफिस स्पेस का 10.5 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी के फ्लेक्सिबल ऑफिस मार्केट मैच्योरिटी इंडेक्स में भारत ने 100 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। साथ ही, फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस अब केवल एक अतिरिक्त सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनियों के रियल एस्टेट पोर्टफोलियो का एक रणनीतिक हिस्सा बनता जा रहा है।

रिपोर्ट में अपफ्लेक्स के विश्लेषण के हवाले से बताया गया, वैश्विक बुकिंग में भारत की हिस्सेदारी 2025 की पहली छमाही के 2.2 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर 2026 की पहली छमाही में 10.2 प्रतिशत हो गई। इसके साथ ही भारत अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे सक्रिय बाजार बन गया है।

भारत में ऑफिस स्पेस इस्तेमाल करने वाली कंपनियों की मांग, आपूर्ति में वृद्धि और ऑपरेटरों की गतिविधियों में लगातार मजबूत तेजी देखने को मिल रही है। इस विस्तार को कंपनियों की निरंतर मांग से समर्थन मिल रहा है।

हालांकि, फ्लेक्सिबल ऑफिस ऑपरेटरों ने 2026 की पहली छमाही में भारत के आठ प्रमुख शहरों में 8.5 मिलियन वर्ग फुट जगह लीज पर दी, जो पहली छमाही के लिहाज से अब तक का उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। अब भारत में कुल ऑफिस लीजिंग में फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो गई है।

इसके अलावा, रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेटरों ने 2023 से 2025 के बीच 44.1 मिलियन वर्ग फुट जगह लीज पर दी, जिसमें 7.2 लाख से अधिक फ्लेक्स सीटें शामिल थीं। वहीं, मैनेज्ड ऑफिस स्पेस की मांग औसतन 350 से 500 सीटों के बीच रही।

इस बीच, व्यापक आर्थिक उतार-चढ़ाव के दौर में भी सीटों की मांग लगातार बढ़ी है। यह वर्ष 2020 में लगभग 38,000 सीटों से बढ़कर 2026 में इसके अनुमानित तीन लाख सीटों तक पहुंचने की उम्मीद है। इस अवधि में मांग लगभग सात गुना बढ़ गई है।

# 1.5 अरब आबादी, मजबूत खपत और निवेश क्षमता भारत की सबसे बड़ी ताकत; आईएमएफ

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारत के 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के अनुमान को अर्थशास्त्रियों और बाजार विशेषज्ञों ने मंगलवार को भारत की आर्थिक क्षमता पर वैश्विक भरोसे का संकेत बताया है।

अर्थशास्त्री विजय सरदाना ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत जैसा 1.5 अरब से अधिक आबादी वाला देश अपार संभावनाओं से भरा हुआ है और मौजूदा जीडीपी आंकड़े यह साबित करते हैं कि देश में विकास की गुंजाइश अभी भी बहुत व्यापक है।

उन्होंने कहा, 'दुनिया को भारत के बाजार को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि यहां निवेश और कारोबार के विशाल अवसर मौजूद हैं।' उन्होंने कहा कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक पुनर्संतुलन (रियलाइनमेंट) के दौर में भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।'उन्होंने आगे कहा, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी मजबूत उपभोग (कंजम्प्शन) आधारित अर्थव्यवस्था है। जब 1.5 अरब लोग रोजमर्रा की जरूरतों पर खर्च करते हैं, तो उससे कृषि, उद्योग, सेवाओं और तकनीक जैसे सभी क्षेत्रों को बल मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि आईएमएफ का अनुमान लोगों में विश्वास पैदा करता है, खासकर ऐसे समय में जब महंगाई और वैश्विक आर्थिक सुस्ती को लेकर चिंताएं रही हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि केवल जीडीपी वृद्धि दर से आम आदमी का जीवन नहीं बदलता। जमीनी स्तर पर बदलाव के लिए रोजगार सृजन, निवेश आकर्षित करने वाली नीतियां और आर्थिक अवसरों का विस्तार जरूरी है।

उनके मुताबिक जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय संकेतक जरूर हैं, लेकिन वास्तविक प्रगति का आकलन रोजगार और लोगों की आय में सुधार से होना चाहिए।

वहीं, कपूर एंड एसोसिएट्स के अर्थशास्त्री और कर विशेषज्ञ सीए योगेंद्र कपूर ने आईएएनएस से कहा कि भारत के पास 7 प्रतिशत या उससे अधिक की विकास दर बनाए रखने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि सरकार का डिजिटलीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और पारदर्शी आर्थिक व्यवस्था पर फोकस निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा, आयकर और जीएसटी संग्रह में लगातार बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से अनौपचारिक ढांचे से औपचारिक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रही है।

इससे विदेशी निवेशकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।'

हालांकि उन्होंने आगाह किया कि लगातार ऊंची मुद्रास्फीति भारत की विकास यात्रा के लिए एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है।

# एआई बूम ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बांटा

विश्व केसरी■

**वॉशिंगटन।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तेजी से बढ़ रहे निवेश और मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था दो हिस्सों में बंटती नजर आ रही है। एक ओर चिप निर्माण और एआई सप्लाई चेन से जुड़े देश तेजी से लाभ उठा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर ऊर्जा आयात पर निर्भर और तकनीकी मूल्य श्रृंखला से बाहर रहने वाले देशों पर दबाव बढ़ रहा है।

आईएमएफ की अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और तकनीकी बदलावों के संयुक्त प्रभाव ने एक 'विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था' की स्थिति पैदा कर दी है। जिन देशों को बेहतर व्यापारिक शर्तें, तकनीक-आधारित निर्यात और निवेश का लाभ मिल रहा है, उन्हें सुरक्षा कवच मिला है, जबकि अन्य देशों को ऊंचे आयात बिल और कमजोर मांग का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। आईएमएफ ने 2026 में उसकी आर्थिक वृद्धि दर 10.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2025 में 8.8 प्रतिशत थी। हालांकि 2027 में इसके 4.3 प्रतिशत तक धीमा पड़ने की संभावना है।

दक्षिण कोरिया की वृद्धि दर भी 2025 के 1.1 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 3.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुसार, सेमीकंडक्टर की वैश्विक मांग में तेजी ने मध्य पूर्व युद्ध के नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक संतुलित कर दिया है।

रिपोर्ट में वियतनाम के लिए 8.4 प्रतिशत और मलेशिया के लिए 5.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। आईएमएफ ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशिया की कई अर्थव्यवस्थाएं डेटा सेंटर गतिविधियों और वैश्विक टेक्नोलॉजी चक्र में तेजी से लाभान्वित हो रही हैं। हालांकि आईएमएफ ने यह भी कहा कि एआई से मिलने वाला लाभ बहुत सीमित देशों तक केंद्रित है।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत सेमीकंडक्टर के वैश्विक व्यापार का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा ताइवान और कोरिया से आता है।

मांग के मोर्चे पर चीन और अमेरिका एआई से जुड़े कंप्यूटिंग हार्डवेयर के कुल शुद्ध आयात का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखते हैं।

# होर्मुज समझौता बंद होने से 2026 में खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट की आशंका

विश्व केसरी■

**वॉशिंगटन।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि मध्य पूर्व में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के कारण 2026 में मध्य पूर्व और मध्य एशिया क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सिकुड़ सकती है। आईएमएफ की अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि दर 2025 के 3.7 प्रतिशत से घटकर 2026 में -0.3 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि 2027 में इसके दोबारा 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

आईएमएफ ने कहा कि अप्रैल 2026 के अनुमान की तुलना में 2026 के लिए वृद्धि दर में 2.2 प्रतिशत अंक की कटौती की गई है, जिसकी प्रमुख वजह होर्मुज जलडमरूमध्य के लंबे समय तक बंद रहने की आशंका है, जबकि उसके दोबारा खुलने के बाद 2027 में अपेक्षाकृत मजबूत रिकवरी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक असर छोटे खाड़ी तेल उत्पादक देशों पर पड़ेगा। कुवैत की अर्थव्यवस्था 2026 में 16.7 प्रतिशत, इराक की 16 प्रतिशत, कतर की 15.6 प्रतिशत और बहरीन की 11.3 प्रतिशत तक सिकुड़ सकती है।

आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा उत्पादन और परिवहन में बाधाओं का इन देशों पर सबसे ज्यादा प्रभाव होगा।

हालांकि 2027 में इन देशों में तेज वापसी की संभावना जताई गई है। आईएमएफ के अनुसार, 2027 में इराक 19 प्रतिशत, कतर 18.8 प्रतिशत, कुवैत 17.1 प्रतिशत और बहरीन 13.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज कर सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी अरब पर प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहेगा क्योंकि उसके पास निर्यात के अधिक विविध मार्ग उपलब्ध हैं। सऊदी अर्थव्यवस्था के 2026 में 3.3 प्रतिशत सिकुड़ने और 2027 में 7.9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अर्थव्यवस्था 2026 में 3.9 प्रतिशत घट सकती है और 2027 में 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

# बालों के लिए महंगे तेल खरीदने की जरूरत नहीं, नारियल और कैस्टर ऑयल से बनाएं हेयर ऑयल

नारियल तेल, कैस्टर ऑयल, मेथी, कलौंजी, रोजमेरी और करी पत्ते से घर पर हेयर ऑयल बनाया जा सकता है. यह बालों और स्कैल्प की देखभाल में मदद कर सकता है, लेकिन बालों की ग्रोथ या झड़ना रोकने की गारंटी नहीं देता. लगातार हेयर फॉल होने पर एक्सपर्ट से सलाह लेना बेहतर है.

बालों का झड़ना, कमजोर होना और ग्रोथ धीमी होना कई लोगों की परेशानी है. तनाव, नींद की कमी, खान-पान और बालों की सही देखभाल न करने जैसी कई वजहों से हेयर क्वालिटी प्रभावित हो सकती है. ऐसे में लोग बालों की देखभाल के लिए अलग-अलग तेल और घरेलू नुस्खे आजमाते हैं. मशहूर न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने भी बालों को हेल्दी, मजबूत और शाइनी बनाने के लिए एक खास हेयर ऑयल की रेसिपी शेयर की है.

इस तेल में नारियल तेल, कैस्टर ऑयल, मेथी दाना, कलौंजी, रोजमेरी और करी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है. आइए जानते हैं इसे घर पर कैसे बनाया जा सकता है और बालों में इसे लगाने का सही तरीका क्या है.

घर पर हेयर ऑयल बनाने के लिए क्या चाहिए

किरण कुकरेजा के बताए तरीके के अनुसार, इस तेल को बनाने के लिए आपको इन चीजों की जरूरत होगी.

कैसे बनाएं ये हेयर ऑयल

सबसे पहले एक पैन में नारियल तेल और कैस्टर ऑयल डालकर हल्का गर्म करें. अब इसमें मेथी दाना, कलौंजी, ड्राई रोजमेरी और करी पत्ते डाल दें. सभी चीजों को धीमी आंच पर करीब 15 से 20 मिनट तक पकाएं. इस दौरान गैस तेज न रखें, क्योंकि ज्यादा गर्मी से तेल और उसमें डाली गई चीजें जल सकती हैं.

इसके बाद गैस बंद कर दें और तेल को पूरी तरह ठंडा होने दें. ठंडा होने के बाद तेल को छान लें और किसी साफ और सूखे कंटेनर में भरकर रखें. किरण कुकरेजा के अनुसार, इस तेल को 2 से 3 महीने तक स्टोर किया जा सकता है.

बालों के लिए कैसे फायदेमंद हो सकती हैं ये चीजें

नारियल तेल बालों और स्कैल्प को मॉइस्चर देने में मदद करता है. वहीं, कैस्टर ऑयल को अक्सर बालों की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जाता है, हालांकि इसे सीधे तौर पर बालों की ग्रोथ बढ़ाने वाला साबित करने वाले मजबूत सबूत सीमित हैं. मेथी दाने में प्रोटीन और अमीनो एसिड पाए जाते हैं. बालों की संरचना में प्रोटीन की अहम भूमिका होती है, इसलिए मेथी का इस्तेमाल कई घरेलू हेयर केयर रूटीन में किया जाता है.

कलौंजी और करी पत्ते का इस्तेमाल भी पारंपरिक तौर पर बालों की देखभाल के लिए किया जाता है. हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि ये चीजें हर व्यक्ति में बालों का झड़ना रोक देंगी या नए बाल उगाने की गारंटी देंगी, अगर बाल लगातार झड़ रहे हैं या तेजी से पतले हो रहे हैं, तो इसकी वजह जानना ज्यादा जरूरी है.

बालों में तेल लगाने का सही तरीका

तेल लगाने से पहले बाल और स्कैल्प साफ होना बेहतर है. थोड़ी मात्रा में तेल लेकर स्कैल्प पर हल्के हाथों से लगाएं और करीब 5 से 10 मिनट तक मसाज करें. इसके बाद लगभग 45 से 50 मिनट तक तेल लगा रहने दें और फिर माइल्ड शैंपू से बाल धो लें.

पहली बार इस्तेमाल करने से पहले थोड़ा सा तेल त्वचा के छोटे हिस्से पर लगाकर देखें. जलन, खुजली या लालिमा जैसी परेशानी हो तो इसका इस्तेमाल न करें. साथ ही, बालों की लंबाई और ग्रोथ पर सिर्फ तेल निर्भर नहीं करती. सही खान-पान, पर्याप्त नींद और बालों की समस्या की सही वजह जानना भी जरूरी है।

# चेहरा तो चमक रहा मगर गर्दन पर जम गए हैं मैल? ऐसे दूर होगी टैनिंग और गंदगी

गर्दन पर कालापन आने की एक प्रमुख वजह उसकी सही तरीके से सफाई नहीं करना है. लोग चेहरे को तो रोजाना धोते हैं, लेकिन गर्दन की सफाई को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में एक्सपर्ट ने कुछ खास सलाह दी है, जिससे गर्दन पर जमी गंदगी साफ हो जाती है.

अक्सर लोग अपने चेहरे को साफ और चमकदार बनाने के लिए तो खूब मेहनत करते हैं. लेकिन गर्दन की सफाई पर उतना ध्यान नहीं देते. यही वजह है कि कई बार चेहरा साफ नजर आता है, जबकि गर्दन पर कालापन दिखाई देने लगता है. आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल के मुताबिक, गर्दन पर कालापन आने की एक प्रमुख वजह उसकी सही तरीके से सफाई नहीं करना है. लोग चेहरे को तो रोजाना धोते हैं, लेकिन गर्दन की सफाई को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं.

सर्दियों में तो कई लोग नहाने से भी बचते हैं. ऐसे में त्वचा पर गंदगी जमा होने लगती है और गर्दन का रंग गहरा दिखाई देने लगता है. आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल के मुताबिक, गर्दन पर कालापन आने की एक वजह उसकी सही तरीके से सफाई नहीं करना भी है.

गर्दन की नियमित सफाई जरूरी

डॉक्टर मोहम्मद इकबाल ने कहा कि लोग चेहरे को तो रोजाना साफ करते हैं, लेकिन गर्दन पर उतना ध्यान नहीं देते. ऐसे में पसीने और गंदगी के कारण गर्दन का रंग गहरा दिखाई देने लगता है. इससे बचने के लिए गर्दन की नियमित सफाई करना जरूरी है. नहाते समय गर्दन को हल्के हाथों से साफ करें और धूप में निकलते समय चेहरे के साथ गर्दन पर भी सनस्क्रीन लगाएं.

5 से 10 मिनट तक रगड़ें

आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल के मुताबिक, अगर आप घर पर ही कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाते हैं और गर्दन की नियमित सफाई करते हैं तो कालापन कम करने में मदद मिल सकती है. इसके लिए 2 चम्मच आलू का रस, थोड़ा शैंपू, इनो, आधा नींबू और एक छोटा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर पेस्ट बना लें. अब नींबू लेकर इस पेस्ट को लगाकर हल्के हाथ से गोल-गोल करके 5 से 10 मिनट तक रगड़ें और साफ ताजा पानी से गर्दन को धो लें. इससे जमी गंदगी, मैल और कालापन हटने लगेगा. डॉक्टर ने चेतावनी दी कि अगर गर्दन पर दाने, खुजली या संक्रमण है तो इसका इस्तेमाल न करें।

# महंगे शौक छोड़कर छोटी खुशियों पर फोकस कर रहे लोग

लिटिल ट्रीट कल्चर लोगों को बड़ी और महंगी खरीदारी के बजाय छोटी खुशियों पर ध्यान देने की सोच देता है. पसंदीदा खाना, कॉफी, किताब या कोई छोटा ब्रेक भी दिन को बेहतर बना सकता है. बस इन छोटी खुशियों के साथ बजट और जरूरतों का ध्यान रखना जरूरी है.

आज कई लोग बड़ी खरीदारी या महंगी चीजों पर पैसा खर्च करने के बजाय छोटी-छोटी खुशियों के लिए बजट निकाल रहे हैं. कभी पसंदीदा कॉफी, कभी छोटी सी चॉकलेट, फूलों का गुलदस्ता या मनपसंद खाना. इन छोटे खर्चों का मकसद सिर्फ सामान खरीदना नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में खुद को थोड़ा खुश महसूस कराना है. सोशल मीडिया पर इस तरह की सोच को लिटिल ट्रीट कल्चर कहा जा रहा है.

खास बात यह है कि इसमें खुशी के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं मानी जाती. छोटी रकम में मिलने वाली चीजें भी दिन को बेहतर बना सकती हैं, लेकिन सवाल यह है कि यह ट्रेंड आखिर लोगों के बीच इतना लोकप्रिय क्यों हो रहा है.

क्या है Little Treat Culture

लिटिल ट्रीट कल्चर का सीधा मतलब है खुद को छोटी-छोटी चीजों से खुश करना. इसके लिए किसी बड़े मौके या खास दिन का इंतजार नहीं किया जाता, अगर किसी दिन काम ज्यादा रहा या मूड खराब है, तो व्यक्ति अपनी पसंद की कॉफी ले सकता है, कुछ अच्छा खा सकता है या अपने लिए कोई छोटी चीज खरीद सकता है. यह सोच खास तौर पर उन लोगों के बीच नजर आ रही है, जो बड़े खर्चों को कम करके अपने बजट में छोटी खुशियों के लिए जगह बनाना चाहते हैं. यानी हर खुशी के लिए महंगी शॉपिंग या लग्जरी अनुभव जरूरी नहीं है।

# राहुल गांधी की हाई टी बैठक से चर्चा में आया यह रिवाज, आखिर क्या होती है हाई टी

राहुल गांधी ने 13 अक्टूबर 2026 को दिल्ली स्थित अपने आवास पर सांसदों और दूसरे मेहमानों के लिए हाई टी का कार्यक्रम रखा है. इस कार्यक्रम के बाद हाई टी शब्द चर्चा में है और कई लोग जानना चाहते हैं कि यह सामान्य चाय से कैसे अलग होती है. हाई टी की शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी, जहां शाम के समय चाय के साथ भरपेट भोजन किया जाता था. आजकल हाई टी में चाय के साथ सैंडविच, समोसे, कटलेट, केक, पेस्ट्री और दूसरे स्नैक्स परोसे जा सकते हैं. हाई टी और आफ्टरनून टी को अक्सर एक जैसा समझ लिया जाता है, लेकिन पारंपरिक रूप से दोनों के समय और खाने में अंतर रहा है. भारत में होटल, कैफे, ऑफिस मीटिंग और पारिवारिक कार्यक्रमों में हाई टी का चलन देखने को मिलता है. घर पर भी चाय, नमकीन और मीठे व्यंजनों के साथ कम खर्च में हाई टी पार्टी आयोजित की जा सकती है.

भारत में चाय केवल एक ड्रिंक नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है. सुबह उठने से लेकर शाम की थकान मिटाने तक, चाय पीने के कई बहाने मिल जाते हैं. घर पर कोई मेहमान आ जाए तो सबसे पहले चाय पूछी जाती है और उसके साथ बिस्कुट, नमकीन या पकौड़े भी रख दिए जाते हैं. लेकिन क्या आपने कभी हाई टी के बारे में सुना है? हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हाई टी को लेकर यह शब्द चर्चा में आ गया है. राहुल गांधी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपने दिल्ली स्थित आवास पर कई सांसदों और दूसरे मेहमानों को हाई टी के लिए आमंत्रित किया है. इसके बाद लोगों के मन में सवाल उठ सकता है कि आखिर हाई टी क्या होती है और क्या इसमें सामान्य चाय से कुछ अलग परोसा जाता है? दरअसल, हाई टी का मतलब सिर्फ महंगी चाय पीना नहीं है.

यह चाय के साथ खाने-पीने और मेहमानों के साथ समय बिताने का एक खास तरीका है, जिसकी शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी. आज होटल, कैफे, घरों की पार्टियों और औपचारिक कार्यक्रमों में हाई टी का चलन देखने को मिलता है. इसमें चाय के साथ कई तरह के नमकीन और मीठे व्यंजन रखे जा सकते हैं. दिलचस्प बात यह है कि हाई टी और आफ्टरनून टी को अक्सर एक जैसा समझ लिया जाता है, जबकि पारंपरिक रूप से दोनों अलग हैं. आइए जानते हैं हाई टी का इतिहास, इसमें परोसे जाने वाले खाने और इसे घर पर तैयार करने के आसान तरीके के बारे में.

राहुल गांधी ने मेहमानों को हाई टी पर क्यों बुलाया?

13 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी ने नई दिल्ली के सुनहरी बाग रोड स्थित अपने आवास पर हाई टी का कार्यक्रम रखा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ सिविल सोसायटी और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

# जन्नत से कम नहीं जंगल के बीच बना ये स्विमिंग पूल, खूबसूरती देखकर कहेंगे वाह! ऋषिकेश-मनाली को देता है टक्कर

रांची की तैमारा घाटी के घने जंगल के बीच एक खूबसूरत प्राकृतिक स्विमिंग पूल मौजूद है. यहां साफ पानी और शांति के बीच लोग नहाने और पिकनिक मनाने आते हैं. इसकी खूबसूरती मनाली और कश्मीर तक को टक्कर देती है. यहां नहाने के बाद आप इसकी तारीफ करते हुए थक जाएंगे.

झारखंड की राजधानी रांची की तैमारा घाटी घनघोर जंगल के लिए जानी जाती है, लेकिन बहुत लोग नहीं जानते हैं कि जंगल के बीचों बीच बड़ा ही खूबसूरत स्विमिंग पूल बना हुआ है. यह प्राकृतिक स्विमिंग पूल है और यहां पर लोग खासतौर पर नहाने और तैरने के लिए जाते हैं. अभी तक इस जगह को बहुत अधिक एक्सप्लोरर नहीं किया गया है. इसलिए बहुत अधिक लोग नहीं आते हैं. इसकी खूबसूरती का कोई जवाब नहीं है. आइये जानते हैं इसके बारे में.

इसके लिए आपको रांची के तैमारा घाटी में आना होगा. जहां मां काली का मंदिर है और मंदिर के ठीक सामने आपको एक कच्ची सड़क देखने को मिलेगी. जंगल के अंदर जाते ही, बस जैसे ही आप अंदर थोड़ी दूर जाएंगे नीचे की तरफ आपको यह स्विमिंग पूल नजर आ जाएगा और यहां पर कुछ लोग नहाते हुए भी नजर आएंगे, जंगल के बीच में नहाने का मजा ही कुछ और है.

खूबसूरती है देखकर कहेंगे वाह!

यहां पर नहा कर जाते हुए सनी बताते हैं कि हम लोग कॉलेज से यहां पर आए थे और खूब सारा फोटो खींचा है. यहां नहाने के बाद बहुत मजा आ गया. आप बार-बार आएंगे, क्योंकि यह ही बहुत खूबसूरत जगह है।

# झोपड़ी से शुरू हुआ सफर, अब पांचवीं पीढ़ी संभाल रही विरासत; 800 लीटर दूध से बनती है बालूशाही

बिहार के सीतामढ़ी जिले का भुतही गांव अपनी ऐतिहासिक मिठास के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी खास पहचान बनाया हुआ है. यहां पिछले 150 से 200 वर्षों से चली आ रही पारंपरिक 'बालूशाही' स्वाद के शौकीनों के बीच बेहद लोकप्रिय है. मिट्टी और झोपड़ी की छोटी सी दुकान से शुरू हुआ यह सफर आज पांचवीं पीढ़ी तक पहुंच चुका है. सबसे खास बात यह है कि 10 दिनों तक बिना खराब हुए तरोताजा रहने वाली यह मिठाई अपनी शुद्धता और पारंपरिक विधि के कारण आज भी हर वर्ग की पहली पसंद बनी हुई है.

भुतही बाजार स्थित सबसे पुराना सुंदर मिष्ठान भंडार के वर्तमान संचालक और स्वर्गीय लक्ष्मी साह के चौथी पीढ़ी के वंशज पवन कुमार बताते हैं कि इस दुकान की नींव उनके परदादाजी ने रखी थी. शुरुआत में झोपड़ी में बनने वाली यह मिठाई धीरे-धीरे अपनी

गुणवत्ता के बल पर दूर-दूर तक प्रसिद्ध हो गई. पवन कुमार के अनुसार, 1980-85 के दशक में जहां यह बालूशाही 40 से 45 रुपये प्रति किलो बिकती थी.

शुरुआती दिनों में इसकी कीमत महज 15 से 20 रुपये थी. आज समय के साथ बदलाव जरूर आया है और वर्तमान में यह 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रही है, लेकिन इसके पारंपरिक स्वाद में कोई कमी नहीं आई है. जहां बाजार में अमूमन बालूशाही बनाने के लिए मैदा या सूजी का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है. वहीं, भुतही की बालूशाही की असली यूएसपी इसका शुद्ध छेना है.

कारीगर राजकुमार साह, जो पिछले 20 वर्षों से यहां काम कर रहे हैं, बताते हैं कि वे किसी भी तरह के मिल्क पाउडर या मिलावटी चीजों का प्रयोग नहीं करते है. यहां शुद्ध भैंस के दूध से छेना तैयार किया जाता है. 7 किलो छेना में केवल 200 से 300 ग्राम सूजी मिठाई को खिलने के लिए मिलाई जाती है. इसके अलावा, इसे पकाने के लिए एलपीजी गैस के बजाय कोयले की भट्टी और गाय के गोबर के उपलों का इस्तेमाल होता है, जिससे इसमें एक खास सौंधा स्वाद आता है.

?भुतही की इस बालूशाही की मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां एक दुकान में रोजाना लगभग 8 क्विंटल (800 लीटर) शुद्ध दूध की खपत होती है. स्थानीय गांव-देहात और आसपास के इलाकों जैसे बिसनपुर और संपुर के वेंडर हर सुबह ताजा दूध लेकर पहुंचते हैं. कारीगरों की मेहनत और शुद्धता के चलते यहां रोजाना औसतन 6 से 7 क्विंटल बालूशाही तैयार होकर हाथों-हाथ बिक जाती है.10 किलो छेना को पकाने के लिए लगभग 20 किलो चीनी की चाशनी का उपयोग किया जाता है. इसमें कोई तेल या घी का प्रयोग नहीं किया जाता है और नहीं इसे फ्राई किया जाता है. ये चीनी की चाशनी में पकता है.

?भुतही की बालूशाही की शेल्फ लाइफ यानि टिकाऊपन काफी अधिक होती है, जिसके कारण यह 10 दिनों तक बिना किसी प्रिजर्वेटिव के भी खराब नहीं होती है।

# अर्जुन बिजलानी ने पत्नी नेहा के साथ काम शो करने के पीछे बताई वजह

## बोले- मस्ती और धमाल होगा

**मुंबई।** अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों पत्नी नेहा स्वामी के साथ कपल रियलिटी शो 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2' में नजर आ रहे हैं। कपल ने आईएएनएस के साथ बातचीत में शो को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की।

अर्जुन बिजलानी ने आईएएनएस के साथ बातचीत में नेहा और अपनी जोड़ी को आइडियल कपल बताया। उन्होंने कहा, ''धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2' एक एंटरटेनिंग शो है। सच कहूं, तो मुझे नेहा के साथ शो करना भी था क्योंकि वह बहुत टैलेंटेड हैं और उनके साथ शो करने में मजा, मस्ती, धमाल और बहुत सारे पंगे भी होंगे।"

> 'मुझे लगता है कि 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2' के लिए हम एक आइडियल कपल हैं। इसलिए हमने शो के लिए हां कहा।"
> – अर्जुन बिजलानी
> अभिनेता

### नेहा ने कहा– "अर्जुन के साथ ज्यादा समय बिताने का मिला मौका"

अभिनेता अर्जुन बिजलानी की पत्नी नेहा स्वामी ने शो के लिए उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस शो के जरिए उन्हें अर्जुन बिजलानी के साथ ज्यादा समय बिताने का अवसर मिला। नेहा ने कहा, ''अर्जुन बहुत व्यस्त रहता है, तो हमने सोचा कि इस शो में हम साथ में समय बिताएंगे और शो बहुत अलग है। इसे करके हमें मजा आ रहा है और मस्ती, पंगा करने का पूरा मौका मिल रहा है। शूट में जाने से पहले हमें बहुत उत्सुकता रहती है और मैं, तो सोचती रहती हूं कि शूट पर जाकर और अर्जुन के साथ पंगे करूंगी।"

### शो की खास बातें

- कपल्स के बीच मजेदार टास्क
- मस्ती, धमाल और पंगे
- नए-नए सरप्राइज और ट्विस्ट
- दर्शकों के लिए भरपूर मनोरंजन

### कपल की लव स्टोरी

अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी की पहली मुलाकात किसी क्लोज फ्रेंड के यहां हुई थी, जहां अर्जुन अपने एक दोस्त के साथ गए थे। काफी समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने शादी का फैसला किया था और 20 मई 2013 में शादी की थी। कपल का एक बेटा है, जिसका नाम अयान बिजलानी है। हालांकि, बीच में दोनों के तलाक की खबरें उड़ी थीं लेकिन अर्जुन ने स्पष्ट कर सभी बताया कि उनकी शादी बहुत अच्छी चल रही है।

**नेहा स्वामी के बारे में**
नेहा स्वामी पहले मॉडल और एक्ट्रेस रह चुकी हैं और टीवी शो 'काली एक पुनर्जन्म' में नजर आ चुकी हैं। शादी के बाद उन्होंने अपना पूरा ध्यान परिवार पर केंद्रित कर दिया।

# अध्ययन सुमन स्टारर 'मैं न रहा मेरा' की रिलीज टली, बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने लिया फैसला

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेता अध्ययन सुमन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मैं ना रहा मेरा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में प्यार, दिल टूटने और अहंकार के बीच उलझे रिश्तों की कहानी देखने को मिलेगी। अध्ययन के लिए यह फिल्म काफी खास है और वह चाहते हैं कि दर्शक इसकी कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। हालांकि, फिल्म देखने के लिए दर्शकों को अब थोड़ा और इंतजार करना होगा। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट टाल दी है।

दरअसल, बॉक्स ऑफिस पर दूसरी फिल्मों के साथ होने वाले मुकाबले को देखते हुए, मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला किया है। पहले यह फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 11 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी।

अध्ययन सुमन के साथ इस फिल्म में दिविता राय भी नजर आएंगी। मेकर्स ने अक्टूबर में कई फिल्मों की रिलीज को देखते हुए तारीख में बदलाव किया है। अक्टूबर में कई फिल्मों के एक साथ रिलीज होने से मुकाबला काफी कड़ा होने की उम्मीद है। ऐसे में मेकर्स को लगा कि दिसंबर में फिल्म को रिलीज करने से इसे दर्शकों तक पहुंचने का बेहतर मौका मिल सकता है।

रलीज डेट में बदलाव को लेकर अध्ययन सुमन ने कहा, ''मैं ना रहा मेरा' मेरे लिए बेहद निजी फिल्म है और हम चाहते हैं कि दर्शक इसकी भावनाओं को उसी तरह महसूस करें, जिस तरह हमने इसकी कल्पना की है। फिल्म में प्यार, दिल टूटने और अहंकार की उलझनों को दिखाया गया है। ऐसे में हमारे लिए इसकी रिलीज का सही समय चुनना जरूरी था। 23 अक्टूबर को कई फिल्में रिलीज होने वाली थीं। हमें लगा कि 11 दिसंबर को फिल्म रिलीज करने से इसे दर्शकों का ध्यान पाने का बेहतर मौका मिलेगा।''

फिल्म के प्रोड्यूसर धर्मेश संघानी ने भी रिलीज डेट बदलने के फैसले पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एक प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी सिर्फ फिल्म बनाना नहीं, बल्कि उसे सिनेमाघरों में दर्शकों तक पहुंचने का सही मौका देना भी है। उनके मुताबिक, 23 अक्टूबर को कई फिल्मों के रिलीज होने से मुकाबला बढ़ रहा था। सभी बातों पर विचार करने के बाद टीम ने 11 दिसंबर की तारीख को बेहतर समझा।

# माइकल जैक्सन से मिलने से ज्यादा नौवारी साड़ी पहनने की थी खुशी, सोनाली बेंद्रे ने सुनाया 1996 का किस्सा

विश्व केसरी

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने पॉप स्टार माइकल जैक्सन से जुड़ी एक पुरानी याद शेयर की है। सोनाली ने बताया कि जब माइकल जैक्सन पहली बार भारत आए थे, तब मुंबई में उनका स्वागत करने का मौका उन्हें मिला था। हालांकि, उस वक्त सोनाली माइकल जैक्सन से मिलने को लेकर उतनी उत्साहित नहीं थीं, जितनी महाराष्ट्र की पारंपरिक नौवारी साड़ी पहनने को लेकर थीं।

अभिनेत्री ने यह दिलचस्प किस्सा सोनी मराठी के शो 'कौन होणार करोड़पति' के ग्रैंड प्रीमियर एपिसोड में सुनाया, जहां वह शो की होस्ट माधुरी दीक्षित के साथ बातचीत कर रही थीं।

शो के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली से माइकल जैक्सन के भारत दौरे के बारे में पूछा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब माइकल जैक्सन मुंबई पहुंचे थे, तब पारंपरिक नौवारी साड़ी पहनकर उनका स्वागत करने का अनुभव कैसा रहा था।

इस पर सोनाली ने बताया कि उस समय उन्हें माइकल जैक्सन का स्वागत करने से ज्यादा खुशी अपने दोस्तों और परिवार के लिए फ्री टिकट मिलने की थी। उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो मैं उस वक्त उनकी इतनी बड़ी फैन नहीं थी। मुझे बताया गया था कि इस कार्यक्रम के लिए मराठी लड़कियों को बुलाना है। उस वक्त मुझे अपने दोस्तों और परिवार के लिए फ्री टिकट भी मिले थे।''

सोनाली ने बताया कि उनके लिए नौवारी साड़ी पहनना अपने आप में एक खास अनुभव था। इसकी वजह उनकी दादी थीं, जो नौवारी साड़ी पहना करती थीं। सोनाली को बचपन से ही इस पारंपरिक साड़ी को पहनने का शौक था।

अभिनेत्री ने कहा, ''नौवारी साड़ी पहनना बहुत मजेदार था, क्योंकि मेरी दादी भी इसे पहना करती थीं। मुझे हमेशा से इसे पहनने का शौक था। मुझे लगता है कि यह सबसे ग्रेसफुल साड़ी है। इसलिए मैं इसे पहनने को लेकर काफी एक्साइटेड थी।''

सोनाली ने कहा, ''जब मैंने माइकल जैक्सन को लाइव परफॉर्म करते देखा, तब मुझे समझ आया कि वह कितने शानदार कलाकार है। उनके गाने, डांस और लगातार परफॉर्म करने की एनर्जी ने मुझे काफी प्रभावित किया। इसके बाद मैं भी उनकी फैन बन गई।''

गौरतलब है कि माइकल जैक्सन अक्टूबर 1996 में अपने 'हिस्ट्री वर्ल्ड टूर' के तहत भारत आए थे।

# रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' हिंदी में भी होगी रिलीज, निर्माताओं ने दी जानकारी

विश्व केसरी

**मुंबई।** सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत आगामी फिल्म 'जेलर 2' के निर्माताओं ने फिल्म की हिंदी रिलीज को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है।

सोमवार को फिल्म के पब्लिसिस्ट ने निर्माताओं की ओर से एक बयान जारी कर उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि फिल्म हिंदी में रिलीज नहीं होगी।

बयान में कहा गया, 'हाल की मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि 'जेलर 2' हिंदी में रिलीज नहीं होगी। हम आधिकारिक तौर पर स्पष्ट करना चाहते हैं कि फिल्म का हिंदी संस्करण 15 अक्टूबर को अन्य भाषाओं के साथ निर्धारित योजना के अनुसार सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।'

निर्माताओं ने आगे कहा, 'फिल्म को उत्तर भारत में पेन मरुधर एंटरटेनमेंट द्वारा वितरित किया जाएगा। हिंदी में थिएटर रिलीज के निर्धारित कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हम सभी मीडिया संस्थानों और प्लेटफॉर्म से अनुरोध करते हैं कि वे इस स्पष्टीकरण पर ध्यान दें और फिल्म की रिलीज को लेकर किसी भी अपुष्ट जानकारी का प्रसार न करें। मीडिया के निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए हम आभारी हैं।

'जेलर 2', साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। इस फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन की भूमिका में नजर आएंगे, जो अपराधी नेटवर्क और अपने परिवार को मिल रही धमकियों से जुड़े एक नए खतरनाक संघर्ष में उलझ जाते हैं।

फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्रॉफ, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, एस.जे. सूर्या और सूरज वेंजारामूडु भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं अनिरुद्ध रविचंदर ने फिल्म का संगीत दिया है।

फिल्म के ट्रेलर में बड़े स्तर का एक्शन, डार्क ह्यूमर और दमदार टकराव देखने को मिलता है। रजनीकांत ने कहा है कि उन्होंने इस सीक्वल के लिए इसलिए सहमति दी क्योंकि पहली फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने की पर्याप्त गुंजाइश थी।

# मां बनने के बाद काम पर लौटीं दिव्यांका त्रिपाठी, बोलीं- बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की।

अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है।

दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, 'इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है।'

अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कहती हूं कि महिलाएं ऐसे ही 'बाउंस बैक' नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।

अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं।

# पहले क्रश से सालों बाद मिलने की बेचैनी, दर्शन रावल के गाने 'जाने किस मोड़ पे' में दिखेगा प्यार का रंग

विश्व केसरी

**मुंबई।** अक्सर हम जिंदगी में आगे तो बढ़ जाते हैं, लेकिन कुछ रिश्ते और उनसे जुड़ी यादें दिल में हमेशा बनी रहती हैं। इसी तरह की भावनाओं को 'जाने किस मोड़ पे' गाना पेश करता है। यह गाना अपकमिंग फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' का नया ट्रैक है, जिसे सिंगर दर्शन रावल ने गाया है।

उन्होंने बताया कि गाने में पुराने रिश्तों से दोबारा जुड़ने की खुशी, मन में उठने वाली हल्की बेचैनी और बीते दिनों को फिर से जीने का एहसास है।

दर्शन रावल ने कहा, ''मुझे इस गाने की सबसे खास बात इसका पुरानी यादों से जुड़ा एहसास और इसमें छिपी उम्मीद लगी। मैं चाहता हूं कि गाना सुनने वाले लोग भी अपनी जिंदगी के उन खास पलों को याद करें, जिनका उनके दिल में आज भी अलग स्थान है। कभी-कभी किसी ऐसे इंसान से दोबारा मिलने का ख्याल भी अपने आप में खास होता है, जो कभी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा रहा हो। ऐसे में मन में कई सवाल उठते हैं कि इतने समय बाद मिलने पर कैसा लगेगा और क्या पहले जैसा अपनापन महसूस होगा।''

गाने के म्यूजिक कंपोजर रोचक कोहली ने भी इसके पीछे की भावना के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसे सफर की तरह है, जिसमें इंसान को पता नहीं होता कि आखिर में उसके लिए क्या इंतजार कर रहा है। म्यूजिक के जरिए हमने उस उत्साह और घबराहट को दिखाने की कोशिश की है, जो कई साल बाद अपने पहले क्रश से मिलने पर महसूस होती है। दर्शन रावल की आवाज गाने में गर्मजोशी और एक अलग एहसास लेकर आती है, जबकि गीतकार गुरप्रीत सैनी के बोल इस भावना को और खूबसूरती से सामने रखते हैं।'

गीतकार गुरप्रीत सैनी ने कहा, ''जाने किस मोड़ पे' प्यार की उम्मीद और जिंदगी में अनजाने तरीकों से मिलने वाले रिश्तों की कहानी कहता है। मैंने गाने के बोल बेहद आसान रखे हैं, ताकि वे फिल्म के किरदारों की भावनाओं से मेल खा सकें। फिल्म की कहानी में किरदार स्कूल रीयूनियन के लिए एक साथ आगे बढ़ते हैं। हर किसी के मन में दोस्ती के साथ रोमांस की भी एक उम्मीद है। गाने में जवानी, दोस्ती और रोमांस का खूबसूरत मेल है, जिसे रोचक के म्यूजिक ने जीवंत बना दिया है। फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' के मेकर्स ने हाल ही में इस गाने को रिलीज किया है।

# भारत ने भूटान को सौंपे 290 करोड़, 13वीं पंचवर्षीय योजना की परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

विश्व केसरी

**थिम्पू।** भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत चल रही कई विकास परियोजनाओं के लिए अपनी प्रतिबद्धता के तहत 290 करोड़ रुपए (आईएनआर/नू. 2.90 अरब) की राशि भूटान के वित्त मंत्रालय को सौंपी है। इसकी जानकारी मंगलवार को थिम्फू स्थित भारतीय दूतावास ने दी।

भारत और भूटान के बीच भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत 19वीं मासिक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत की मदद से भूटान में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

बैठक के दौरान भारतीय पक्ष ने भूटान के वित्त मंत्रालय को 290 करोड़ रुपए के चेक सौंपे। यह राशि 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की वित्तीय सहायता का हिस्सा है।

भारतीय दूतावास के अनुसार, बैठक में भारतीय मिशन और भूटान की शाही सरकार (आरजीओबी) के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। भारत ने भूटान के साथ अपने सहयोग और समन्वय को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस सहायता से जिन परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा, उनमें रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान (आरयूबी) के कॉलेजों में आधुनिक और बेहतर बुनियादी ढांचे का विकास, मानव संसाधन विकास और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रशिक्षण एवं विनिमय कार्यक्रम तथा फसलों की सुरक्षा के लिए चेन-लिंक फेंसिंग के दूसरे चरण के काम शामिल हैं।इसके अलावा, फुएंटशोलिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान के पुनर्विकास, थिम्फू में राष्ट्रीय मौसम एवं बाढ़ चेतावनी केंद्र और वैज्ञानिक सुविधाओं की स्थापना तथा आरयूबी के आठ कॉलेजों में पढ़ाई के लिए डिजिटल तकनीक शुरू करने जैसी परियोजनाओं को भी सहायता दी जाएगी।

फंडिंग के तहत डिजिटल स्किलिंग प्रोग्राम को भी शामिल किया गया है। इसके लिए 8.83 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिससे देशभर के सभी गेवोग (स्थानीय प्रशासनिक क्षेत्रों) में लगभग 10 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

सहायता राशि का उपयोग थिम्फू स्थित रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के बुनियादी ढांचे के विकास, थिम्फू जिला न्यायालय के निर्माण और गेलेफू जनरल अस्पताल के नवीनीकरण के लिए भी किया जाएगा।

# मध्य पूर्व के हालात गंभीर, संघर्ष जल्द रोकना जरूरी : रेडक्रॉस अध्यक्ष

विश्व केसरी

**जिनेवा।** इंटरनेशनल कमिटी ऑफ द रेड क्रॉस (आईसीआरसी) की अध्यक्ष मिर्जना स्पोलजारिक ने चेतावनी दी है कि मिडिल ईस्ट इलाके में संघर्ष बढ़नेसे करोड़ों आम लोगों के लिए हालात बहुत बुरे हो जाएंगे।

स्पोलजारिक ने एक बयान जारी कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। ये बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शेयर किया गया। इसमें उन्होंने कहा, 'मिडिल ईस्ट में सैन्य अभियान की आम लोगों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। हाल के दिनों में सऊदी अरब में हुई मौतें, घायल होते लोग और जबरदस्त तबाही इस बात का उदाहरण है कि लड़ाई-झगड़े या हमलों से आम लोगों पर कितना बुरा असर पड़ रहा है।'

आईसीआरसी चीफ ने कहा, 'यमन के एडेन और सना भी में भी तबाही मची हुई है। लोगों की मौत, विस्थापन और आम लोगों के इस्तेमाल की चीजों (जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर) को नुकसान पहुंचाने का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। पूरे मिडिल ईस्ट में बुनियादी ढांचों या फिर रिहायशी इलाकों पर बार-बार हमले हुए हैं और लोगों की जान गई है। स्पोलजारिक ने कहा कि आम लोगों और आम लोगों से जुड़ी चीजों पर हमले रोकना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, 'लड़ाई में शामिल सभी पक्षों को आम नागरिकों, उनसे जुड़ी चीजों और सैन्य ठिकानों के बीच फर्क करना होगा। बंदरगाहों, हवाई अड्डों और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों का गंभीर नतीजा उन समुदायों को भुगतना पड़ेगा जो उन पर आश्रित हैं। उनके मुताबिक, 'लड़ाई और तेज होने से करोड़ों लोगों के लिए हालात बहुत बुरे हो जाएंगे। तनाव कम करने और आम लोगों को और नुकसान से बचाने के लिए तुरंत कोशिशें की जानी चाहिए।'

मिडिल ईस्ट काफी समय से सैन्य संघर्ष की आग में जल रहा है।

## संक्षिप्त खबर

### महंत स्वामी महाराज ने लंदन में अक्षर-पुरुषोत्तम संस्कृत पाठशाला का किया उद्घाटन

विश्व केसरी

**लंदन।** लंदन में संस्कृत के अध्ययन और संवाद के लिए एक नया केंद्र स्थापित हुआ, जब महंत स्वामी महाराज ने बीएपीएस श्री स्वामिनारायण मंदिर में अक्षर-पुरुषोत्तम संस्कृत पाठशाला का उद्घाटन किया। यह मंदिर लोकप्रिय रूप से निअस्डेन टेम्पल के नाम से जाना जाता है। इस पाठशाला की स्थापना महंत स्वामी महाराज की उस इच्छा को साकार करती है, जिसे उन्होंने 24 सितंबर को सत्संग दीक्षा सन्मान महोत्सव के दौरान लिखे पत्र में व्यक्त किया था-लंदन प्रवास के समय मंदिर में संस्कृत विद्यालय शुरू किया जाए। उन्होंने स्वयं इस संस्था का नाम भी रखा। औपचारिक शुभारंभ से पहले ही लगभग 350 युवा विद्यार्थी संस्कृत-अध्ययन से जुड़ चुके थे। सभा को संबोधित करते हुए महामहोपाध्याय भद्रेशदास स्वामी ने संस्कृत-अध्ययन की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसकी प्रेरणा भगवान स्वामिनारायण से मिलती है। उन्होंने संतों को संस्कृत और शास्त्रों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उच्च शिक्षा के लिए अनेक संतों को काशी भेजा। 1961 में योगीजी महाराज ने मुंबई में अक्षर-पुरुषोत्तम संस्कृत पाठशाला की स्थापना की। 1973 में प्रमुखस्वामी महाराज ने सारंगपुर में यज्ञपुरुष संस्कृत पाठशाला शुरू की।

### दो सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

विश्व केसरी

**पश्चिमी सिंहभूम/गिरिडीह।** झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम और गिरिडीह जिले में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पश्चिमी सिंहभूम में मंगलवार को ट्रेलर और कार की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की जान चली गई। वहीं, गिरिडीह में सोमवार-मंगलवार की रात जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे दो युवकों की बाइक को अज्ञात मालवाहक वाहन ने टक्कर मार दी। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के कुदापी डाउन के पास ट्रेलर और कार के बीच जोरदार टक्कर हुई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार आठ से नौ महीने का एक बच्चा सुरक्षित बच गया। उसे मामूली खरोंचें आई हैं और चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। पुलिस के अनुसार, कार सवार परिवार छत्तीसगढ़ की ओर से टाटानगर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर ने कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। ट्रेलर चालक हादसे के बाद फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। दूसरी घटना गिरिडीह जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बदडीहा के पास हुई। यहां दोस्त का जन्मदिन मनाकर बाइक से घर लौट रहे सूरज तुरी (22) और तुलसी दास की अज्ञात मालवाहक वाहन की टक्कर से मौत हो गई।

# काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर रूसी ड्रोन हमला

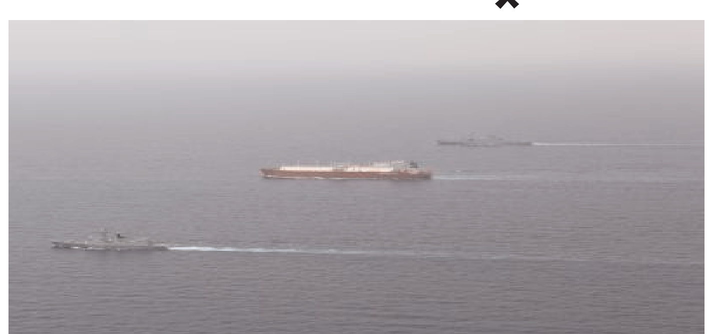

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि बुल्गारिया के समुद्री क्षेत्र के पास वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर किए गए रूसी ड्रोन हमले में यूक्रेन और अजरबैजान के नागरिक घायल हुए हैं। यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि रूस के लिए काला सागर दबाव बढ़ाने का एक नया मोर्चा बन गया है।

मंत्री सिबिहा ने कहा कि रूस काला सागर के जरिए वैश्विक खाद्य सुरक्षा को निशाना बनाकर भूख को हथि?यार के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है, ताकि पूरी दुनिया पर दबाव बना सके। काला सागर में समुद्री सुरक्षा की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इन हमलों की जानकारी साझा की।

सिबिहा ने पोस्ट में लिखा, ''रूस की ओर से बुल्गारिया के समुद्री क्षेत्र के पास वाणिज्यिक जहाजों पर किया गया हमला दिखाता है कि मॉस्को नागरिकों की सुरक्षा और काला सागर में समुद्री सुरक्षा की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है। इन हमलों में यूक्रेन और अजरबैजान के नागरिक घायल हुए हैं। हम अपने साझेदार देशों से अपील करते हैं कि वे रूस पर दबाव और बढ़ाएं, प्रतिबंधों को मजबूत करें और उसे जवाबदेह ठहराने तथा समुद्री रास्तों की स्वतंत्र आवाजाही की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं।''

सिबिहा ने कहा कि काला सागर वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण जीवनरेखा है। रूस इस क्षेत्र को निशाना बनाकर भूख को हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है और पूरी दुनिया पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। इसका जवाब मजबूती और दृढ़ कार्रवाई से दिया जाना चाहिए।

यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी काला सागर में हुए रूसी हमलों को लेकर चिंता जाहिर की।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''काला सागर अब यूक्रेन में चल रहे रूस के युद्ध में तनाव बढ़ने का एक और मोर्चा बन गया है।

यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। मैं बुल्गारिया के तट के पास वाणिज्यिक जहाजों पर हुए ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा करती हूं।''

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ''इन हमलों ने जहाजों के चालक दल के सदस्यों की जान को गंभीर खतरे में डाल दिया है और काला सागर क्षेत्र की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े किए हैं।

# उत्तर कोरिया ने 'टैक्टिकल' बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

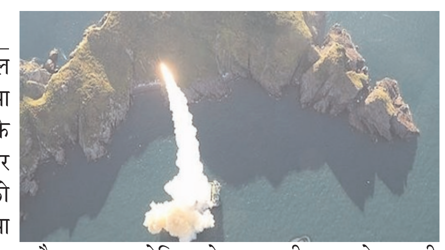

विश्व केसरी

**सोल।** उत्तर कोरिया ने टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। देश की सरकारी मीडिया के मुताबिक यह परीक्षण उसके हथियार सिस्टम के एक महत्वपूर्ण हिस्से को और बेहतर बनाने के लिए किया गया था और इसे 'बड़ी सफलता' बताया गया है।

यह खबर ऐसे समय आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया की सेना ने प्योंगयांग क्षेत्र से पूर्वी सागर की ओर दागी गई कई बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया था। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रशासन ने 12 अक्टूबर को एक टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसका मकसद एक अहम तकनीकी हिस्से के उन्नयन से जुड़े शोध की सफलता की पुष्टि करना था।

प्रशासन का दावा है कि यह उन्नयन बड़ी सफलता साबित हुआ है, जो सभी आक्रामक हथियार प्रणालियों की क्षमता और तकनीकी स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। उत्तर कोरिया ने इस परीक्षण को अपनी नियमित गतिविधियों का हिस्सा बताया है।

हालांकि, उसने मिसाइल परीक्षण के बारे में ज्यादा तकनीकी जानकारी साझा नहीं की।

दक्षिण कोरिया की ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने पहले बताया था कि उत्तर कोरिया ने कई तरह की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इनमें से एक मिसाइल ने 900 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के अधिकारी अब उनकी तकनीकी विशेषताओं का विस्तृत विश्लेषण कर रहे हैं।

जेसीएस के प्रवक्ता कैप्टन जांग डो-यंग ने मंगलवार को कहा, 'संभव है कि उत्तर कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को उसकी अधिकतम सीमा तक दागा हो। यह भी संभव है।

# सत्ता गंवाने वालों के लिए कोई दवा नहीं : केरल स्वास्थ्य मंत्री

विश्व केसरी

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने मंगलवार को विधानसभा में वामपंथी विपक्ष का मजाक उड़ाते हुए कहा कि राज्य में केवल एक ही दवा उपलब्ध नहीं है, और वह है सत्ता गंवाने से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए जरूरी दवा। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कथित कमी पर बहस के दौरान इस टिप्पणी से तीखी बहस छिड़ गई।

यह टिप्पणी तब आई जब सीपीआई (एम) विधायक के.वी. सुमेष ने हेल्थकेयर सेक्टर में संकट पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया और आरोप लगाया कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है।

मुरलीधरन ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जिन समस्याओं को वे उजागर कर रहे हैं, वे स्वास्थ्य विभाग में मौजूद ही नहीं हैं। मंत्री ने पिछली एलडीएफ सरकार पर मार्च में दवाओं के लिए खरीद आदेश न देने का आरोप लगाया, जिसका कारण कथित तौर पर आदर्श आचार संहिता बताया गया।

उन्होंने पिछली सरकार पर दवा कंपनियों का भारी बकाया न चुकाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केवल 24 तरह की दवाओं की कमी है और इस समस्या को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाए गए हैं। सुमेष ने इस मुद्दे को हल्के में लेने के लिए मंत्री की आलोचना की। उन्होंने पूछा कि लोगों ने मौजूदा सरकार को क्यों चुना, अगर उसे केवल पिछली सरकार की कमियों के बारे में ही बात करनी थी। दवाओं की कमी पर मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, उन्होंने मांग की कि मंत्री अपने विभाग की समस्याओं को समझें।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से तबादले किए जा रहे हैं और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। मंत्री ने विपक्ष पर एजेंटों की ओर से बोलने का आरोप लगाया और उनके आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए आरोप करार दिया, जिससे नए सिरे से विरोध शुरू हो गया।

# उज्जैन के सिंहस्थ कुंभ से इंदौर का महत्व बढ़ेगा : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ से इंदौर का महत्व और बढ़ेगा । मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में एक निजी होटल का शुभारंभ करते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल एवं अन्य बड़ी परियोजनाओं में निवेश से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हो रहा है और जनता के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को देखते हुए इंदौर का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उज्जैन के निकट होने के कारण इंदौर में पर्यटकों, श्रद्धालुओं और व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों की आवाजाही में वृद्धि होगी। ऐसे में कॉर्पोरेट जगत की बैठकों, व्यापारिक आयोजनों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होटल्स की महती भूमिका होती है।

उन्होंने होटल के शुभारंभ पर बधाई देते हुए कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व पर अहिल्या की नगरी इंदौर को यह नई सुविधा मिलना विशेष महत्व रखता है। दरअसल वर्ष 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होने वाला है। इसके लिए उज्जैन सहित उसके आसपास के इलाके में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं, तो वहीं पर्यटकों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए होटल आदि का भी निर्माण हो रहा है।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि होटल पर्यटन, व्यापार और कॉर्पोरेट गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही इंदौर की आधुनिक आतिथ्य सुविधाओं को और मजबूत करेगा।

# भारतीय सेना का सैन्य कौशल, इंग्लैंड में जीता जटिल पेट्रोलिंग का स्वर्ण पदक

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड के वेल्स में आयोजित कैम्ब्रियन पेट्रोलिंग 2026 प्रतियोगिता में भारतीय दल ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। सेना के जवान यहां करीब 48 घंटे तक दुर्गम पहाड़ी इलाकों में लगातार आगे बढ़ते रहे।

हर कदम पर शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और सैन्य कौशल की परीक्षा थी। कठिन रास्तों पर आगे बढ़ने के साथ दुश्मन की टोह लेना, सही दिशा पहचानना, घायल सैनिकों को सुरक्षित निकालना और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तुरंत निर्णय लेना भी जरूरी था। इन सब चुनौतियों को पार करके जवानों ने अपना मिशन बखूबी पूरा किया।

इस कामयाबी के साथ ही भारतीय सेना की असम रेजिमेंट के जवानों ने ब्रिटेन में अपनी बहादुरी, दमखम और सैन्य कौशल का लोहा मनवाया है। यहां दुनिया भर की 100 से अधिक टीमों के बीच कड़ी चुनौती व प्रतिस्पर्धा थी। चुनौती का सामना करते हुए भारतीय जवान उन चुनिंदा 10 टीमों में शामिल रहे, जिन्हें स्वर्ण पदक मिला।

सेना के मुताबिक यह कोई सामान्य सैन्य प्रतियोगिता नहीं थी। ब्रिटिश सेना की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियां तैयार की जाती हैं। समय की सख्त सीमा और कठिन सैन्य कार्यों के बीच टीमों को अपनी क्षमता साबित करनी होती है।

# मद्रास हाईकोर्ट ने एआईएडीएमके के 6 विधायकों के इस्तीफे को मंजूरी दी

विश्व केसरी

**चेन्नई।** मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर के उस फैसले को सही ठहराया है, जिसमें उन्होंने एआईएडीएमके के उन छह विधायकों के इस्तीफे स्वीकार किए थे जिन्होंने विश्वास मत के दौरान टीवीके सरकार का समर्थन किया था और बाद में सत्ताधारी पार्टी में शामिल हो गए थे।

एआईएडीएमके के व्हिप एग्री एस. कृष्णमूर्ति और अन्य लोगों की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अयोग्यता की लंबित कार्यवाही स्पीकर को विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने या उनकी सीटों को खाली घोषित करने से नहीं रोकती है।

इस फैसले से सत्ताधारी टीवीके सरकार को राहत मिली है। हालांकि बेंच ने यह साफ कर दिया कि इस्तीफे से छह पूर्व विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही खत्म नहीं होगी।

चीफ जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की बेंच ने माना कि इस्तीफे असली और स्वेच्छा से दिए गए थे। इसने विधानसभा में सीटों के खाली होने की घोषणा को भी संवैधानिक रूप से सही ठहराया।

जजों ने कहा कि एक बार इस्तीफों की असलियत और उनके स्वेच्छा से दिए जाने की बात साबित हो जाने के बाद, स्पीकर के लिए इस्तीफों के पीछे के कथित कारणों की विस्तृत जांच करने की जरूरत नहीं थी।

यह मामला स्पीकर के उस फैसले को चुनौती देने के बारे में था जिसमें उन्होंने विधायकों की अयोग्यता की कार्यवाही लंबित रहने के बावजूद उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए थे। सत्ताधारी पार्टी में शामिल होने से पहले, इन छह विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी।

# शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग में जीता आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार

विश्व केसरी ■

**दुबई।** भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सितंबर महीने के लिए पुरुष और महिला श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। यह तीसरी बार है जब भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ किसी महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है।

गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल ने पांचवीं बार यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने पुरुष कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है।

शेफाली वर्मा ने विमेंस एशिया कप और एशियन गेम्स में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद दूसरी बार महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है।

गिल को मिले इस नए अवॉर्ड ने उन्हें वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ खड़ा कर दिया है। मैथ्यूज ने भी पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 110 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में 133 गेंदों पर शानदार 223 रनों की पारी खेली थी।

पुरस्कार जीतने के बाद गिल ने कहा, 'अपना पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस सम्मान के लिए पैनल का शुक्रगुजार हूं। इतने रन बनाना बहुत अच्छा लगा और अपने घरेलू फैंस के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका सपोर्ट हमें हमेशा अतिरिक्त बूस्ट देता है।

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट की गति काफी बढ़ गई है। आपको तुरंत सोचना होता है, कंडीशन का जल्दी से अंदाजा लगाना होता है और पिच और टारगेट की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालना होता है। अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप के साथ, हम अपने स्तर को बेहतर करते रहने और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाने के लिए दृढ़ हैं। शेफाली वर्मा ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड फिर से जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना रोल निभाना बहुत अच्छा लगा, और यह अवॉर्ड जीतने से ये जीत और भी खास हो गई है।

# हरजिंदर कौरः कबड्डी छोड़ चुनी वेटलिफ्टिंग, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए जीते पदक

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर का नाम काफी लोकप्रिय है। हरजिंदर ने लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीते हैं।

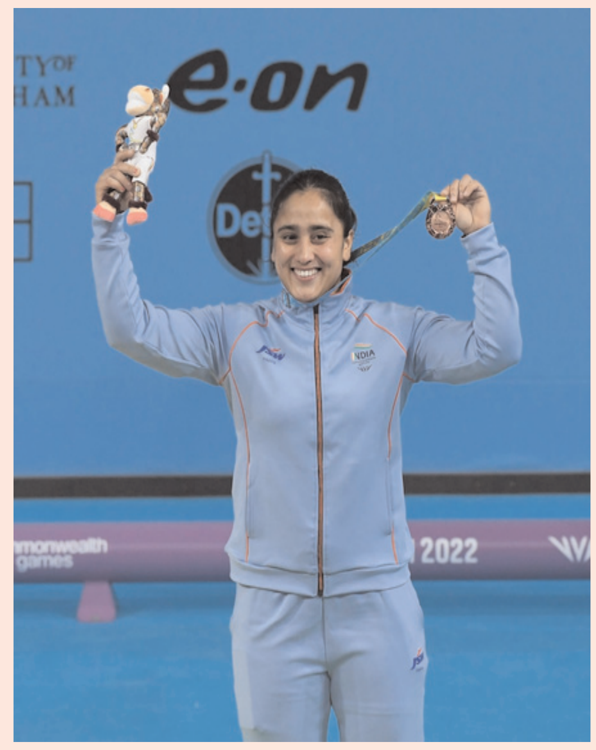


हरजिंदर कौर का जन्म 14 अक्टूबर 1996 को पंजाब के पटियाला जिले में नाभा के पास मेहास में हुआ था। हरजिंदर का परिवार खेती से जुड़ा रहा है। शुरुआत में हरजिंदर कबड्डी खेला करती थीं और प्रशिक्षण के लिए प्रतिदिन 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर सेंटर जाया करती थीं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन्हें प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर काफी देर से आईं। 2016 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की।

राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद हरजिंदर कौर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। कौर ने 2021 में ताशकंद में आयोजित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 71 किग्रा कैटेगरी में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 71 किग्रा इवेंट में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। हरजिंदर ने हाल ही में ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 69 किग्रा भारवर्ग में रजत पदक जीता है। हरजिंदर एशियन गेम्स 2026 में भारतीय दल का हिस्सा थीं। कड़ी तैयारी के साथ जापान के आइची-नागोया पहुँची हरजिंदर पदक जीतने में सफल नहीं हो सकीं। 69 किग्रा भारवर्ग में वह नौवें स्थान पर रहीं। हरजिंदर ने पदक न जीत पाने पर अफसोस जताया था।

एशियन गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीता था। हरजिंदर मीराबाई चानू को बेहद पसंद करती हैं और उनके जैसी सफलता हासिल करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रही हैं।

पटियाला के एक गरीब परिवार से होने के बावजूद वेटलिफ्टिंग के क्षेत्र में हरजिंदर कौर ने जो सफलता हासिल की है, वह न सिर्फ महिलाओं के लिए बल्कि हर उस युवा के लिए प्रेरणादायी है, जो आर्थिक विपन्नता झेलते हुए जिंदगी में बड़े सपने देखता है और उन्हें हासिल करने के लिए कड़ा संघर्ष करता है।

# धोनी में क्रिकेट बाकी- सीएसके सीईओ विश्वनाथन

विश्व केसरी ■

**चेन्नई।** आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे।

चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए, विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।'

धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं। एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं।

# कोलकाताः रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के लीजेंड्स के बीच होगा मुकाबला

विश्व केसरी ■

**कोलकाता।** फुटबॉल के दीवाने शहर कोलकाता के फैंस को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलने वाली है। 25 नवंबर को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के लीजेंड्स के बीच एक मुकाबला होने वाला है। इसकी घोषणा पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में करेंगे।

दुनिया के दो सबसे बड़े फुटबॉल क्लबों के पुराने खिलाड़ियों के बीच प्रस्तावित इस मैच को लेकर कोलकाता के फुटबॉल फैंस के बीच रोमांच है। दोनों टीमों की कोलकाता में बड़ी फैन फॉलोइंग है। जानकारी के मुताबिक, इस मैच में लुइस फिगो, स्पेन के पूर्व गोलकीपर इकर कैसिलास और बार्सिलोना के महान खिलाड़ी कार्ल्स पुयोल के शामिल होने की उम्मीद है। फिलहाल इस मैच से जुड़े खिलाड़ियों और अन्य पहलुओं की जानकारी नहीं दी गई है।

ब्राजील और उरुग्वे के साथ भारतीय फुटबॉल टीम के मैच हाल ही में देखने वाले कोलकाता के फुटबॉल फैंस के लिए रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के लीजेंड्स के बीच का मैच देखना किसी सपने के सच होने जैसा है। यह मुकाबला इस खेल के सबसे कड़े मुकाबलों में से एक की पुरानी यादों और रोमांच के इर्द-गिर्द बना होगा।

भारत ने पिछली बार 6 अप्रैल, 2025 को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में लीजेंड्स के एल क्लासिको की मेजबानी की थी। रियल मैड्रिड लीजेंड्स ने 2-0 से जीत हासिल की, जिसमें फर्नांडो मोरिएंटेस और डेविड बैरल ने गोल किए। इस मुकाबले में मैड्रिड के लिए फिगो, माइकल ओवेन और पेपे जैसे कई जाने-माने नाम शामिल थे, जबकि बार्सिलोना के लिए जावी हर्नांडेज, रिवाल्डो और पुयोल ने गोल किए।

टिकटों की बिक्री, किक-ऑफ का समय और ब्रॉडकास्ट की व्यवस्था के बारे में जानकारी बाद में मिलने की उम्मीद है। कोलकाता के फुटबॉल फैंस के लिए साल्ट लेक स्टेडियम में पुराने जमाने के स्टार्स को देखने की उम्मीद 25 नवंबर को होने वाले मैच ने बढ़ा दी है।

# जोश हेजलवुड के आगे साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों का 'सरेंडर', ऑस्ट्रेलिया ने 214 रनों से जीता पहला टेस्ट

विश्व केसरी ■

**डरबन।** ऑस्ट्रेलिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को पहले टेस्ट मैच में 214 रनों से हराया। डरबन के किंग्समीड मैदान पर खेले गए मुकाबले में 421 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की पूरी टीम दूसरी पारी में 206 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

टेस्ट के पांचवें दिन 102/4 के स्कोर से आगे खेलते हुए साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज स्कोरकार्ड में 104 रन जोड़कर आउट हुए। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा 75 रन एडेन मार्करम ने बनाए, जबकि डेविड बेडिंगहैम ने 46 रनों का योगदान दिया। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान टेंबा बावुमा को मैट रेनशॉ ने सिर्फ एक रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स भी एक रन ही बना सके। वियान मुल्डर ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन वह 29 रन बनाने के बाद जोश हेजलवुड की गेंद पर एलेक्स कैरी को कैच देकर आउट हुए। विकेटकीपर बल्लेबाज काइल वेरेने भी महज एकर रन बनाकर पवेलियन लौटे। मार्को जानसन टीम के लिए कुछ हद तक संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन वो भी 35 रन बनाने के बाद हेजलवुड की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

साइमन हार्मर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, तो केशव महाराज एक रन बनाकर नाबाद रहे। एनरिक नॉर्टजे को आउट करते हुए हेजलवुड ने ऑस्ट्रेलिया की जीत पर मुहर लगाई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में जोश हेजलवुड बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका के छह बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। वहीं, मैट रेनशॉ ने दो और मिचेल स्टार्क और कप्तान पैट कमिंस ने एक-एक विकेट झटका।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में मैट रेनशॉ द्वारा खेली गई 190 रनों की लाजवाब पारी के बूते 390 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पहली पारी के आधार पर 106 रनों की बढ़त हासिल की।

# 'पहले से ज्यादा मोटिवेटेड महसूस कर रहा हूं', सफल सर्जरी के बाद बोले जोस बटलर

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने सर्जरी के बाद कहा है कि वह फिट होने के लिए पहले से कहीं ज्यादा मोटिवेटेड हैं। बटलर को पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में बल्लेबाजी के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी।

बटलर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया, 'मेरा ऑपरेशन हुआ है। सर्जरी सफल रही और मैं ठीक हो रहा हूं। पहले से कहीं ज्यादा मोटिवेटेड महसूस कर रहा हूं।

दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज ने हॉस्पिटल के बेड पर थम्स अप करते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की है। तस्वीर में उनके बाएं पैर में ब्रेस लगा है।

सर्जरी के बावजूद उनकी चोट चिंता की वजह बनी हुई है। बटलर हाल के सालों में कई सॉफ्ट-टिशू इंजरी से परेशान रहे हैं। ये ज्यादातर काफ की इंजरी रही हैं। आईपीएल 2024 के दौरान भी उन्हें लेफ्ट-हैमस्ट्रिंग की परेशानी हुई थी।

इंजरी की वजह से बटलर का मौजूदा सीजन समय से पहले ही समाप्त हो गया। वह मैदान पर कब लौटेंगे, इसका कोई निश्चित समय नहीं बताया गया है। इंजरी की वजह से बटलर पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हैं।

वह नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल टूर से भी बाहर रहेंगे। 17 जनवरी से शुरू हो रही साउथ अफ्रीका 20 लीग (एसए20) में भी उनका खेलना संदिग्ध है। इस लीग में वह डरबन सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को बटलर का कॉन्ट्रैक्ट एक साल तक बढ़ा दिया। हालांकि, उनका अनुबंध अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50-ओवर वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले खत्म हो जाएगा।

इस मुद्दे पर मेन्स क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने कहा, 'हमें नहीं लगता कि बटलर उस वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं होंगे।

वह हमारी योजना में हैं। अगर वे इसका हिस्सा नहीं होते, तो हम तब से उनके साथ नहीं खेल रहे होते। वे इंग्लैंड के लिए खेलने के लिए बेताब हैं।

# बीसीसीआई ने अरुणाचल की टीमों के लिए सेलेक्शन ट्रायल शुरू किया

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अरुणाचल प्रदेश की अलग-अलग पुरुष और महिला आयु-समूहों और सीनियर टीमों के लिए सेलेक्शन ट्रायल कर रहा है ताकि वे मौजूदा घरेलू सीजन में दौड़ में बनी रहें।

यह कदम तब उठाया गया जब अरुणाचल प्रदेश ने अहमदाबाद में नागालैंड के खिलाफ अपना पहला रणजी ट्रॉफी मैच छोड़ दिया, साथ ही इससे पहले वीनू मांकड़ ट्रॉफी और अंडर-19 महिला टी20 ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं लिया था। इसकी वजह गुवाहाटी हाई कोर्ट की ईटानगर बेंच में अरुणाचल क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के दो गुटों के बीच कानूनी अड़चन थी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को आईएएनएस को बताया कि अरुणाचल प्रदेश में ट्रायल्स चल रहे हैं। एपेक्स काउंसिल के सदस्य एम. खैरुल जमाल मजूमदार को ट्रायल्स कराने के लिए संयोजक नियुक्त किया गया है। हम इस सीजन के घरेलू मुकाबलों में हिस्सा लिए बिना टीमों को बाहर नहीं रहने दे सकते।

उन्होंने कहा, 'अरुणाचल में राज्य के बाहर के कुछ स्वतंत्र सिलेक्टर्स के साथ ट्रायल्स चल रहे हैं। एसोसिएशन इन ट्रायल्स में शामिल नहीं है, क्योंकि बीसीसीआई सीधे ट्रायल्स करा रहा है और हम अरुणाचल की टीमों को रणजी ट्रॉफी और दूसरे टूर्नामेंट्स में भेजने की कोशिश कर रहे हैं, जो आने वाले दिनों में होने वाले हैं। असम के इंडिपेंडेंट सिलेक्टर्स के एक पैनल को, जिसमें पूर्व खिलाड़ी सत्य गोपाल चक्रवर्ती, जयंत चौधरी और दीप बोरा शामिल हैं, ट्रायल्स कराने और यह पक्का करने का काम सौंपा गया है कि रणजी ट्रॉफी, कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी, सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी और विजय मर्चेंट ट्रॉफी में अरुणाचल से टीमें उतारी जाएं। चक्रवर्ती इन ट्रायल्स के लिए सिलेक्टर्स के चेयरमैन हैं। अरुणाचल प्रदेश के एक स्थानीय सोर्स ने आईएएनएस को ईटानगर में चल रहे सिलेक्शन ट्रायल्स के बारे में कन्फर्म किया।

# यूपीआई एमडीआर को टालना व्यापारियों की चिंताओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दिखाता है: कैट

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने मंगलवार को चुनिंदा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ट्रांजैक्शन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को टालने के सरकार के फैसले का स्वागत किया।

व्यापारी संगठन ने कहा कि इस कदम से व्यापारियों के हितों की रक्षा होगी और त्योहारों सीजन में डिजिटल पेमेंट के लगातार बढ़ते ट्रेंड को प्रोत्साहन मिलेगा।

कैट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फैसला सही समय पर लिया गया है, क्योंकि त्योहारी और शादियों के सीजन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की बिक्री उच्चतम स्तर पर होती है।

व्यापारी संगठन ने कहा, 'यह फैसला सही समय पर और व्यावहारिक है, खासकर त्योहारों और शादियों के अहम सीजन के दौरान, जब लाखों व्यापारी और एमएसएमई ज्यादा कारोबार करते हैं।'

कैट के मुताबिक, यूपीआई एमडीआर को टालने से व्यापारियों को ट्रांजैक्शन की अतिरिक्त लागत से बचने में मदद मिलेगी, जो कम मार्जिन पर काम करने वाले व्यवसायों पर बोझ डाल सकती थी।

व्यापारियों के संगठन ने आगे कहा, 'ट्रांजैक्शन की अतिरिक्त लागत कम मार्जिन पर काम करने वाले व्यापारियों पर एक अनावश्यक बोझ डाल सकती थी और डिजिटल पेमेंट को बड़े पैमाने पर अपनाने में बाधा डाल सकती थी।

यह घटनाक्रम, कैट के सेक्रेटरी जनरल प्रवीण खंडेलवाल की अगुवाई में लगभग 20 व्यापारिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल की 30 सितंबर को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में वित्त मंत्री के साथ हुई मुलाकात के कुछ हफ्तों बाद सामने आया है।

कैट ने कहा कि वह देश भर के व्यापार संघों के साथ भी तालमेल बिठा रहा था ताकि यह पक्का किया जा सके कि व्यापारियों की चिंताएं सरकार तक असरदार ढंग से पहुंचाई जा सकें।

इस फैसले पर खंडेलवाल ने कहा कि कैट डिजिटल पेमेंट का पूरा समर्थन करता है, लेकिन उसका मानना ??है कि यह सिस्टम व्यापारियों, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए सस्ता और टिकाऊ बना रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'हम व्यापारियों की चिंताओं को समझने और सकारात्मक फैसला लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। कैट डिजिटल पेमेंट का समर्थन करता है, लेकिन यह सिस्टम व्यापारियों, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए सस्ता और टिकाऊ बना रहना चाहिए।

खंडेलवाल ने कहा, 'इस टालने के फैसले से व्यापारियों का भरोसा बढ़ेगा और एक मजबूत डिजिटल इंडिया बनाने में व्यापारिक समुदाय के साथ सरकार की साझेदारी और मजबूत होगी।

# रोजाना 5 मिनट करें सेतुबंधासन, दूर होगी कब्ज की समस्या और मजबूत होगी रीढ़ की हड्डी

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** आजकल की व्यस्त दिनचर्या और दफ्तर में घंटों में बैठे रहने से कमर दर्द, तनाव और थकान होना आम समस्या बन गई है। ऐसे में सेतुबंधासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली रहती है और शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है।

सेतुबंधासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सेतु' मतलब पुल और 'बंध' मतलब बांधना। इस आसन को करने के दौरान शरीर की आकृति पुल जैसी बनती है, इसलिए इसे सेतुबंधासन या ब्रिज पोज कहा जाता है। यह आसन दिखने में जितना आसान लगता है, फायदे में भी उतने ही कारगर होते हैं। यह न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, पाचन सुधारने और मन को शांत रखने में भी मदद करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, सेतुबंधासन पीठ के बल लेटकर की जाने वाली मुद्राओं में से एक मुख्य आसन है। यह आसन शारीरिक मजबूती और मानसिक शांति दोनों के लिए बेहद प्रभावी माना गया है। रोजाना इसका अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है और शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है।

सेतुबंधासन पेट के अंगों में खिंचाव लाता है, जिससे पाचन क्रिया दुरुस्त होती है और कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। साथ ही, यह रीढ़ की हड्डी के लिए भी लाभकारी है। इस आसन में जब आप पीठ को ऊपर की तरफ उठाते हैं, तो रीढ़ की हड्डी में धीरे-धीरे खिंचाव आता है।

रोजाना अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली और मजबूत बनती है। इससे कमर दर्द, पीठ दर्द और गर्दन के अकड़न में बहुत आराम मिलता है। जो लोग घंटों बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन वरदान जैसा है। सेतुबंधासन महिलाओं में हार्मोन्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। यह थायरॉयड ग्रंथि और पेल्विक क्षेत्र में रक्त संचार को बेहतर करता है। इससे पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं, मूड स्विंग्स और मेनोपॉज के दौरान होने वाली परेशानियों में राहत मिलती है। साथ ही, यह तनाव को कम करके मन को शांत भी रखता है।

# हर रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन, पैरों और पेट की मांसपेशियों को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** योग पद्धति में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ लचीलापन और संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' भी ऐसा ही एक योगासन है, जो शरीर के निचले हिस्से को मजबूत करने और पार्श्व अंगों में खिंचाव लाने के लिए किया जाता है।

'उत्थित पार्श्वकोणासन' को 'एक्सटेंडेड साइड एंगल पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में एक हाथ जमीन पर और दूसरा हाथ सिर के ऊपर तिरछा उठाकर शरीर को एक सीधी रेखा में खींचा जाता है। इसके अभ्यास से पैरों, जांघों, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत रहती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और रीढ़ की

हड्डी में लचीलापन आता है।

आयुष मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित 'पार्श्व कोण मुद्रा' है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन, ध्यान और सहनशक्ति भी बढ़ती है।

इसे करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

# हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट क्या अंतर है? जानिए इसके लक्षण और तुरंत बचाव के उपाय

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** कभी-कभी हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणों पर ध्यान न देना आसान होता है, खासकर तब जब लक्षण धीरे-धीरे शुरू हों या आते-जाते रहें। नए या असामान्य लक्षणों को गंभीरता से लेना और जल्द मदद लेना जरूरी हो सकता है।

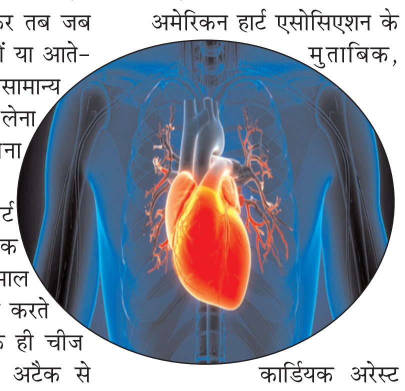

लोग अक्सर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे की जगह पर करते हैं, लेकिन ये दोनों एक ही चीज नहीं हैं। ज्यादातर हार्ट अटैक से कार्डियक अरेस्ट नहीं होता है। लेकिन जब कार्डियक अरेस्ट होता है, तो हार्ट अटैक इसका एक आम कारण होता है। दूसरी समस्याओं की वजह से भी दिल धड़कना बंद कर सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, कार्डियक अरेस्ट में दिल अचानक धड़कना बंद कर देता है। ऐसा आमतौर पर किसी इलेक्ट्रिकल समस्या के कारण होता है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। जब दिल पंप करना बंद कर देता है, तो वह दिमाग, फेफड़ों और शरीर के अन्य जरूरी अंगों तक खून नहीं पहुंचा पाता। कार्डियक अरेस्ट होने पर व्यक्ति कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। हो सकता है कि उनकी सांस रुक जाए या वे सिर्फ हांफने लगें। अगर उन्हें तुरंत मदद न मिले, तो उनकी मौत हो सकती है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए, तो तुरंत सीपीआर देने से उनके बचने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। सबसे पहले, स्थानीय इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। फिर सीपीआर शुरू करें। अगर आस-पास ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) है, तो जितनी जल्दी हो सके उसका इस्तेमाल करें। अगर दो लोग मदद कर रहे हैं, तो एक को सीपीआर शुरू करना चाहिए। दूसरे को इमरजेंसी कॉल करना चाहिए और एईडी ढूंढना चाहिए।

# नवरात्र स्पेशल: मां चंद्रघंटा से जुड़ा है ये चमत्कारी औषधीय पौधा, देता है बल और ऊर्जा

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** नवरात्र के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा का विधान है। मां चंद्रघंटा को साहस, शांति और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ आयुर्वेद में भी नवरात्र के नौ दिनों का विशेष महत्व बताया गया है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, मां चंद्रघंटा का संबंध चन्द्रसूर (हलीम) नामक औषधीय पौधे से जोड़ा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम लेपिडियम सैटिवम है।

आयुर्वेद में चन्द्रसूर को पौष्टिक और बलवर्धक माना गया है। पारंपरिक रूप से इसका इस्तेमाल शरीर को पोषण देने और कुछ स्वास्थ्य समस्याओं में सहायक औषधि के रूप में किया जाता रहा है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी इसके गुणों का उल्लेख मिलता है।

हड्डियों और जोड़ों के लिए लाभकारी: चन्द्रसूर में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह हड्डियों को मजबूती प्रदान करने, जोड़ों के दर्द और वात विकारों को दूर करने में अत्यंत सहायक है। वृद्धावस्था में हड्डियों की कमजोरी और गठिया जैसी समस्याओं में इसका प्रयोग लाभदायक माना जाता है। शारीरिक शक्ति और ऊर्जा में वृद्धि: यह शरीर की कमजोरी को दूर कर तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। बढ़ती उम्र के किशोरों में इसके सेवन से लंबाई बढ़ाने और शारीरिक विकास में सहायता मिलती है।

# 700 वर्षों से कठोर साधना की परंपरा, बिना अन्न जल के 9 दिनों तक उपवास- साधना

विश्व केसरी

**जगदलपुर ( अर्जुन कुमार झा )।**

बस्तर की धरती रहस्यमयी अनबूझ पहेलियों और आस्था में अनूठे रंगों से भरी हुई है।इसी क्रम में अध्यात्म, आस्था और ऐतिहासिक धरोहरों की पावन नगरी बड़े डोंगर में शारदीय नवरात्रि पर्व का शुभारंभ पारंपरिक हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में हुआ। पर्व के प्रथम दिन बस्तर अंचल की अत्यंत दुर्लभ, रहस्यमयी और अलौकिक मानी जाने वाली 'जोगी बिठाई' रस्म विधिवत संपन्न की गई। 14वीं शताब्दी से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन करते हुए कन्हार गांव के मंशाराम मांझी का परिवार आज भी पूरी निष्ठा से माता के आदेश का पालन कर रहा है। नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि की संध्या को दंतेश्वरी माई मंदिर परिसर में पारंपरिक वाद्ययंत्रों मोहरी, तोड़ी और ढोल की गूंज के बीच रस्म अदायगी शुरू हुई। पुजारियों, मांझी- चालकियों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में माता की विशेष पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के

मुख्य द्वार के ठीक सामने बने 'जोगी बिठाई भवन' में जोगी को पूरे विधि-विधान से आसनस्थ कराया गया।बस्तर के लोकविश्वास के अनुसार, जोगी बिठाई केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि समूचे क्षेत्र की सुख, शांति, समृद्धि और दैवीय विपदाओं से रक्षा के लिए की जाने वाली एक कठोर तपस्या है। जोगी बने साधक अगले नौ दिनों तक उसी भवन में एक गड्ढे (साधना स्थल) के भीतर बैठकर निर्जला उपवास रखेंगे। इस दौरान वे अन्न, फल और जल तक ग्रहण नहीं करते और अखंड ज्योति के समक्ष मौन रहकर माता की निरंतर आराधना में लीन रहते हैं। रियासतकालीन इतिहास के अनुसार, बस्तर के काकतीय राजवंश और कुलदेवी मां दंतेश्वरी के प्रति अटूट आस्था की यह रस्म करीब 700 वर्षों से अनवरत जारी है। कन्हार गांव के मंशाराम मांझी के पूर्वजों को माता ने इस तपस्या का दायित्व सौंपा था, जिसे यह परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी पूरे त्याग और समर्पण के साथ निभाता आ रहा है।

## अष्टमी को बोनालूट, नवमी को जोगी उठाई

नौ दिनों के इस महातप का समापन अत्यंत विधि-विधान से होगा।महाअष्टमी की रात्रि विशेष तांत्रिक व वैदिक विधानों के साथ 'बोनालूट' रस्म निभाई जाएगी, जिसमें माता को विशेष भोग अर्पित कर क्षेत्र के कल्याण की प्रार्थना की जाएगी। महानवमी की पावन बेला पर जोगी को मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ आसन से उठाया जाएगा। इसके बाद उन्हें जल व प्रसाद ग्रहण कराकर उनका कठिन व्रत पूर्ण कराया जाएगा।

## बस्तर दशहरा प्रस्थान

जोगी उठाई के तत्काल बाद माता की छत्र व डोली को पूरे राजकीय व पारंपरिक सम्मान के साथ विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा में सहभागिता के लिए जगदलपुर रवाना किया जाएगा। नवरात्रि के अवसर पर मंदिर प्रांगण को दीपों और फूलों से सजाया गया है। बड़े डोंगर सहित आसपास के वनांचल क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और इस अनूठी रस्म के साक्षी बनने पहुंच रहे हैं।

# बाल पंडवानी गायिका आराध्या साहू ग्राम गिरहोला में देंगी प्रस्तुति

विश्व केसरी

**चारामा ( संदीप मेश्राम )।**

शारदीय नवरात्रि पर्व पर ग्राम गिरहोला में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध बाल पंडवानी गायिका कु. आराध्या साहू का प्रस्तुति 14 अक्टूबर को होगा, छत्तीसगढ़ के सबसे कम उम्र महज सात वर्ष से पंडवानी गायन कर सैकड़ों मंचों में छत्तीसगढ़ के साथ साथ अन्य राज्यों में प्रस्तुति दे चुकी है। पद्मविभूषण डॉ तीजन बाई के सबसे छोटी शिष्य के रूप पहचानी जाती है।आयोजक समिति गिरहोला सदस्य चिंतामनी यादव ने बताया कि जब सात साल की उम्र में पहली प्रस्तुति भागवत कथा मंच पर प्रस्तुत किए ,कार्यक्रम आधा घंटा तक प्रस्तुति सोच कर गई थी मगर पूरा ढाई घंटा वक्ता बाल पंडवानी गायिका आराध्या साहू और ग्राम के श्रोता सभी भाव विभोर होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।उसके बाद गुरुमाता पद्मविभूषण डॉ तीजन बाई से आशीर्वाद लेने गनियारी भिलाई पहुंचे । जहां बालिका के उम्र के साथ उसकी कला शैली ,प्रतिभा प्रस्तुति को देखकर आशीर्वाद दिए कि कु.आराध्या साहू पंडवानी कला जगत में मेरा नाम रौशन करेगी और यह बिटिया देश -विदेश तक पंडवानी कला को

पहुंचाएगी,मेरा आशीर्वाद हमेशा बना रहेगा ।बस इसी आशीर्वाद को लेकर बाल पंडवानी गायिका कु आराध्या साहू आगे बढ़ रही हैं। छोटी उम्र के साथ साथ अनेक कलाओं में निपुणता हासिल कर रही है।श्री श्री नवदुर्गा उत्सव समिति गिरहोला समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम देखने उपस्थिति का आग्रह करते हैं।

# भाषण प्रतियोगिता में छात्रा डिंपल साहू को जिला स्तर पर तीसरा स्थान

विश्व केसरी

**बकावंड ( अर्जुन कुमार झा )।**

### सुपर गर्ल कॉम्पीटिशन की भाषण प्रतियोगिता में किया बेहतरीन प्रदर्शन

विकासखंड बकावंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढरेपाल के लिए गर्व का क्षण है। विद्यालय की प्रतिभावान छात्रा डिंपल साहू ने जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें सहायक

कलेक्टर द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल समेत जिला स्तर के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। छात्रा डिंपल साहू की इस सफलता से न केवल विद्यालय का, बल्कि पूरे विकासखंड का मान बढ़ा है। विद्यालय के शिक्षक खगेंद्र पाढ़ी के मार्गदर्शन में इससे पहले भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय से लेकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। यह सफलता विद्यालय की प्राचार्या ममता सार्वा के कुशल मार्गदर्शन एवं समस्त शिक्षकों के सहयोग से प्राप्त हुई है।इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर यादव एवं बीआरसी सोनसिंह बघेल ने छात्रा डिंपल साहू की प्रशंसा करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है और विद्यालय परिवार को बधाई दी है।

# पलाचुर डैम में शुरू होगी बोटिंग, पर्यटको में उत्साह

विश्व केसरी

**दुर्गूकोदल ( सीताराम शर्मा )।**

क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पलाचुर डैम में बुधवार को बोटिंग एवं बोट संचालन का शुभारंभ किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना तथा स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले पर्यटकों को मनोरंजन के साथ नौका विहार की सुविधा उपलब्ध कराना है। ग्रामीणों के सहयोग से शुरू की जा रही यह पहल पलाचुर डैम को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पलाचुर डैम अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आकर्षक वातावरण के लिए

जाना जाता है। यहां बोटिंग की सुविधा शुरू होने से पर्यटकों को जलाशय में नौका विहार का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इससे डैम की ओर पर्यटकों का आकर्षण बढ़ने और क्षेत्र में पर्यटन संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर इस पहल से रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाएं भी विकसित हो सकती हैं।

### महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीणों की पहल

बोटिंग एवं बोट संचालन की व्यवस्था आरती महिला स्व-सहायता समूह तथा समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से की जा रही है। ग्राम पलाचुर, ग्राम पंचायत दुर्गूकोदल में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की जा रही इस पहल में महिला स्व-सहायता समूह की महत्वपूर्ण भूमिका है।

आरती महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष सरिता उयके, सचिव कमिला नरेटी एवं कोषाध्यक्ष राजिमा मरकाम ने बताया कि पलाचुर डैम में बोटिंग सुविधा शुरू करने का उद्देश्य पर्यटकों को बेहतर मनोरंजन उपलब्ध कराने के साथ क्षेत्र के पर्यटन विकास को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने इस पहल में सहयोग देने वाले ग्रामवासियों के प्रति आभार जताया।

### पर्यटन विकास से बढ़ेंगी संभावनाएं

बोटिंग सुविधा शुरू होने से पलाचुर डैम आने वाले पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा।

# विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - विद्यार्थियों को मिला जागरूकता का संदेश

विश्व केसरी

**दुर्गूकोदल ( सीताराम शर्मा )।**

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भंडारडिगी, दुर्गूकोंदल में शिक्षक एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, सकारात्मक सोच, शारीरिक स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और दैनिक दिनचर्या के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को अपनी समस्याओं को समझने, उनका समाधान खोजने और स्वस्थ

जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

### मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना जरूरी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और बौद्धिक विकास भी जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पढ़ाई का दबाव, परीक्षा की चिंता, बदलती भावनाएं और अन्य व्यक्तिगत समस्याएं कभी-कभी बच्चों के व्यवहार एवं सोच को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी समस्याओं को समझना, शिक्षकों और अभिभावकों से बातचीत करना तथा जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद लेना आवश्यक है।

विद्यार्थियों को सकारात्मक एवं नकारात्मक सोच के प्रभावों के बारे में भी समझाया गया। उन्हें कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने, आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने और अपनी गलतियों से सीखने की सलाह दी गई। नियमित दिनचर्या अपनाने और समय का सही उपयोग करने पर भी जोर दिया गया।

### संतुलित आहार और नियमित व्यायाम पर जोर

विद्यालय के प्राचार्य बैजनाथ नरेटी ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम आवश्यक हैं। विद्यार्थियों को प्रतिदिन सुबह के नाश्ते से लेकर रात के भोजन तक संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त नींद लेने और शारीरिक गतिविधियों के लिए समय निकालने के लिए प्रेरित किया गया।

# पार्षद संदीप मेश्राम को शील्ड भेंटकर किया गया सम्मानित

विश्व केसरी

**चारामा ( संदीप मेश्राम )।**

नगर में धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ श्री दाई के दुलरवा नवरत्न जस झांकी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन टीकम साहू जी के पुत्र आयुष साहू के नाम से सब्जी मंडी गणेश समिति के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत चारामा के पार्षद संदीप मेश्राम का शील्ड भेंटकर सम्मान किया गया। इस सम्मान से अभिभूत पार्षद संदीप मेश्राम ने टीकम साहू जी एवं सब्जी मंडी गणेश समिति के सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। पार्षद संदीप मेश्राम ने कहा कि टीकम साहू एवं सब्जी मंडी गणेश समिति

द्वारा मुझे जो सम्मान और स्नेह प्रदान किया गया है, उसके लिए मैं तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह सम्मान मेरे लिए गौरव की बात है। आप सभी का प्रेम और विश्वास मुझे समाज एवं नगर के विकास के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टीकम साहू जी, सब्जी मंडी गणेश समिति एवं सभी सहयोगियों को बधाई देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

# लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में करें निराकरण, योजनाओं के क्रियान्वयन में लाएं तेजीः कलेक्टर विश्वदीप

विश्व केसरी

**बीजापुर ( नवीन दुर्गम )।**

कलेक्टर जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आम नागरिकों से जुड़े लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पारस पोर्टल पर लंबित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने और राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत पात्र प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत राशि उपलब्ध कराने के लिए प्रकरणों की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। उन्होंने किसानों के फार्मर रजिस्ट्री एवं

एग्रीस्टेक पंजीयन की समीक्षा करते हुए सभी पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने तथा भूमि संबंधी अभिलेखों को अद्यतन करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के लंबित कार्यों को भी प्राथमिकता से पूरा करने को कहा।

मतदाता पहचान पत्र एवं मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विशेष रूप से दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्रों के पात्र नागरिकों तक पहुंचकर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कराने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता पंजीयन से वंचित न रहे।

बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को गांवों के भ्रमण के दौरान आवास हितग्राहियों से संवाद करने, निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने और आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों की समस्याओं को समझकर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग देना जरूरी है, ताकि निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूरा कराया जा सके।

कलेक्टर विश्वदीप ने सभी विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण करने और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# किराये के भवन में आगनबाड़ी , स्कूल भवन का पता नहीं! सेंदवाहरा की महिलाएं शिकायत लेकर पहुंचीं कलेक्ट्रेट

विश्व केसरी

**छुरा ( मानसिंग )।**

गांव में बच्चों के भविष्य से जुड़ी सुविधाओं का अभाव हो, आंगनबाड़ी किराये के मकान में संचालित हो रही हो और स्कूल भवन तोड़ने के बाद नया भवन भी नहीं बन पाया हो, तो ग्रामीणों की परेशानी समझी जा सकती है। ऐसी ही समस्याओं को लेकर ग्राम सेंदवाहरा के ग्रामीणों ने अब प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है। ग्राम की मूलभूत समस्याओं से परेशान बड़ी संख्या में महिलाएं कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचीं और गांव की बदहाल स्थिति से जिला प्रशासन को अवगत कराते हुए लिखित आवेदन सौंपा।

ग्रामीणों ने आवेदन के माध्यम से ग्राम सेंदवाहरा में आंगनबाड़ी भवन का निर्माण, नवीन शासकीय स्कूल भवन की व्यवस्था, सीसी सड़क निर्माण और विद्यालय में पेयजल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराने

की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से इन समस्याओं के समाधान की आवश्यकता महसूस की जा रही है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में बच्चों, महिलाओं और अन्य ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किराये के मकान में चल रही आंगनबाड़ी, बच्चों को सुविधाओं का इंतजार ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आंगनबाड़ी केंद्र के लिए स्वयं का भवन नहीं होने के कारण केंद्र किराये के मकान में संचालित हो रहा है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा ) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251